website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 210 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 09 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

यूपी में कांवड़ यात्रा से पहले सरकार की सख्ती: होटल-ढाबों पर लगे फूड सेफ्टी QR स्टिकर

-शराब की दुकानें ढकी जाएंगी, कांवड़ियों के लिए अलग लेन

लखनऊ/मुजफ्फरनगर। कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले यूपी सरकार ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए बड़े कदम उठाए हैं। योगी सरकार ने कांवड़ रूट पर आने वाले सभी होटल, ढाबों और खाने-पीने की ठेलियों की जांच शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने फूड सेफ्टी QR कोड स्टिकर लगाना अनिवार्य कर दिया है। इस स्टिकर को फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप से स्कैन करने पर ढाबे का रजिस्ट्रेशन नंबर, मालिक का नाम, पता और मेन्यू की जानकारी तुरंत मिल जाएगी।

मंगलवार को मुजफ्फरनगर और लखनऊ में FSDA की टीमों ने ढाबों और रेस्टोरेंट्स पर QR स्टिकर चिपकाए। विभाग की विशेष सचिव और अपर आयुक्त रेखा एस चौहान ने बताया कि सभी कांवड़ रूट्स पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सभी होटल-ढाबों और ठेलियों पर 'सेफ्टी ऐप कनेक्ट' स्टिकर लगवाए जा रहे हैं। इसके साथ ही रेस्टोरेंट मालिकों को सफाई रखने और अपने प्रोडक्ट्स की रेट लिस्ट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता और सफाई की भी जांच की जा रही है ताकि कांवड़ यात्री बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकें।

लखनऊ के एक रेस्टोरेंट संचालक ने बताया, "अधिकारी आए और सफाई रखने के निर्देश दिए। कांवड़ यात्रियों की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।"

शराब की दुकानें ढकी जाएंगी, मेरठ में 4 राज्यों के अफसरों की मीटिंग

इस बार 11 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो रही है। हरिद्वार और गोमुख से गंगाजल लेकर यूपी, दिल्ली और हरियाणा के लाखों कांवड़िए अपने-अपने शहर जाएंगे। चार करोड़ से अधिक कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए मेरठ कमिश्नर ऑफिस में मंगलवार को अहम बैठक हुई। इसमें यूपी DGP राजीव कृष्ण और मुख्य सचिव मनोज सिंह समेत उत्तराखंड, हरियाणा और दिल्ली के अफसर मौजूद रहे।

मीटिंग में तय हुआ कि यात्रा मार्ग पर शराब की सभी दुकानों को पूरी तरह ढक दिया जाएगा ताकि धार्मिक भावनाओं का सम्मान बना रहे। इसके अलावा कांवड़ यात्रा के दौरान सड़कों पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा और एक लेन केवल कांवड़ यात्रियों के लिए सुरक्षित रहेगी ताकि यातायात में कोई बाधा न हो और यात्रा सुरक्षित रूप से पूरी हो सके।

यूपी सरकार की इन तैयारियों का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक यात्रा का माहौल देना है। प्रशासन की निगरानी और होटल-ढाबों की साफ-सफाई से कांवड़ यात्रियों को इस बार बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव का निधन

-जोधपुर में हुआ अंतिम संस्कार

जोधपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और हाल में तबीयत बिगड़ने पर जोधपुर एम्स में भर्ती कराए गए थे। एम्स प्रशासन के अनुसार मंगलवार सुबह 11 बजकर 52 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार शाम जोधपुर के नागौरी गेट कागा क्षेत्र स्थित वैष्णव समाज श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिता की चिता को मुखाग्नि दी।

दाऊलाल वैष्णव मूल रूप से पाली जिले के जीवंद कला गांव के निवासी थे, बाद में परिवार के साथ जोधपुर में बस गए थे। रातानाडा भास्कर चौराहा के पास महावीर कॉलोनी में उनका घर है। वे गांव के सरपंच रह चुके थे और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। जोधपुर में उन्होंने लंबे समय तक वकील और कर सलाहकार के रूप में सेवाएं दीं। उनके परिवार में पत्नी सरस्वती वैष्णव, बड़े बेटे अश्विनी वैष्णव और छोटे बेटे आनंद वैष्णव हैं।

पार्थिव देह को बैठाकर निकाली गई अंतिम यात्रा

वैष्णव समाज की परंपरा अनुसार, दाऊलाल वैष्णव की पार्थिव देह को बैठाकर उनके घर से बैकुंठी (अंतिम यात्रा) निकाली गई। अंतिम संस्कार भी बैठी हुई पार्थिव देह के साथ किया गया। इस दौरान जोधपुर में सीएम भजनलाल शर्मा, भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ समेत कई गणमान्य लोग कागा श्मशान घाट पहुंचे और अश्विनी वैष्णव व परिवार को सांत्वना दी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता के निधन पर कई केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा नेताओं और सामाजिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

एक देश-एक चुनाव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं

-पूर्व CJI चंद्रचूड़ ने संसदीय समिति को सौंपी लिखित राय, ECI की शक्तियों पर जताई चिंता

नई दिल्ली। एक देश-एक चुनाव पर चल रही बहस के बीच पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, उन्होंने प्रस्तावित बिल में चुनाव आयोग (ECI) को दी जाने वाली अतिरिक्त शक्तियों को लेकर चिंता जताई है। पूर्व CJI ने कहा कि इससे ECI को विधानसभाओं का कार्यकाल घटाने या बढ़ाने की शक्ति मिल सकती है, जो संवेदनशील मामला है। इसके लिए उन परिस्थितियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए, जिनमें ECI इस शक्ति का इस्तेमाल कर सके।

पूर्व CJI चंद्रचूड़ ने अपनी यह लिखित राय एक देश-एक चुनाव पर बनी संसदीय समिति को सौंपी है। गौरतलब है कि कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 17 दिसंबर 2024 को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव संविधान संशोधन बिल पेश किया था। सरकार का तर्क है कि इससे खर्च में कमी और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी।

क्षेत्रीय और छोटी पार्टियों पर असर की आशंका

जस्टिस चंद्रचूड़ ने आगाह किया कि एक साथ चुनाव कराने से बेहतर आर्थिक स्थिति और संसाधन वाली राष्ट्रीय पार्टियों को बढ़त मिलेगी, जिससे क्षेत्रीय और छोटी पार्टियां हाशिए पर जा सकती हैं। इसके लिए चुनावी फंडिंग के नियमों को मजबूत करना जरूरी होगा ताकि सभी दल समान स्तर पर चुनाव लड़ सकें।

पूर्व CJIs की राय में समानता, लेकिन शर्तों के साथ समर्थन

इस मुद्दे पर पूर्व CJI यूयू ललित और पूर्व CJI रंजन गोगोई पहले भी अपनी राय रख चुके हैं। फरवरी में पेश होकर यूयू ललित ने चरणबद्ध तरीके से एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया था, लेकिन विधानसभाओं का कार्यकाल घटाने पर कानूनी चुनौतियों की आशंका जताई थी।

पूर्व CJI रंजन गोगोई 11 जुलाई को समिति के सामने फिर से पेश होंगे। वे मार्च में भी समिति से चर्चा कर चुके हैं और उन्होंने भी ECI को जरूरत से ज्यादा शक्तियां दिए जाने पर चिंता जताई थी।

पूर्व CJI जेएस खेहर भी 11 जुलाई को समिति के साथ बैठक में शामिल होंगे और बिल पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

मराठी भाषा विवाद: ठाणे में MNS का प्रदर्शन

-मंत्री सरनाईक के पहुंचने पर विरोध, कई कार्यकर्ता हिरासत में

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच ठाणे के भायंदर में मंगलवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप बाबूराव सरनाईक के वहां पहुंचने पर MNS कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने मंत्री का विरोध किया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके से MNS नेता और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

क्यों भड़की MNS?

भायंदर में 1 जुलाई को एक गुजराती दुकानदार को मराठी में बात न करने पर MNS कार्यकर्ताओं ने मारपीट कर दी थी। इस घटना के विरोध में व्यापारियों ने कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था। व्यापारियों के इस विरोध के जवाब में मंगलवार को MNS ने रैली निकालने का ऐलान किया था। रैली का नेतृत्व MNS के ठाणे-पालघर प्रमुख अविनाश जाधव कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने इस रैली की अनुमति नहीं दी थी।

पुलिस ने अविनाश जाधव समेत कई कार्यकर्ता हिरासत में लिए

पुलिस ने मंगलवार सुबह ही अविनाश जाधव समेत कई MNS कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि बिना अनुमति के रैली निकालने की कोशिश पर यह कार्रवाई की गई है।

मंत्री सरनाईक के पहुंचने पर विरोध

जब मंत्री प्रताप बाबूराव सरनाईक मौके पर पहुंचे, तो MNS कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि सरकार मराठी भाषा के मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही और व्यापारियों के दबाव में आकर मराठी भाषा की अनदेखी कर रही है। इसके चलते MNS कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्का धक्का-मुक्की भी हुई।

मुख्यमंत्री फडणवीस का बयान

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पूरे मामले पर कहा कि उन्होंने पुलिस कमिश्नर से बात की है। पुलिस ने बताया है कि MNS ने रैली के लिए नहीं, बल्कि सभा के लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को देखते हुए अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठी भाषा का सम्मान हर हाल में बनाए रखा जाएगा और किसी को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मराठी बनाम गुजराती भाषा को लेकर विवाद गहराया

भायंदर में हुई मारपीट की घटना ने मराठी बनाम गुजराती भाषा के मुद्दे को गरमा दिया है। MNS लगातार महाराष्ट्र में मराठी भाषा के इस्तेमाल पर जोर दे रही है। वहीं, व्यापारियों का कहना है कि महाराष्ट्र में सभी भाषाओं का सम्मान होना चाहिए और मारपीट जैसी घटनाओं से राज्य का माहौल खराब होता है।

पुलिस अलर्ट, माहौल संभालने की कोशिश

पुलिस ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है ताकि माहौल बिगड़ने से रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। हिरासत में लिए गए MNS कार्यकर्ताओं से पूछताछ की जा रही है और हालात सामान्य होते ही उन्हें छोड़ा जा सकता है।

बिहार में सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू

-सिर्फ राज्य की महिलाओं को मिलेगा 35% आरक्षण का लाभ

पटना। बिहार में महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। अब सरकारी नौकरियों में 35% आरक्षण का लाभ सिर्फ बिहार की महिलाओं को ही मिलेगा। नीतीश कुमार कैबिनेट ने मंगलवार को डोमिसाइल पॉलिसी लागू करने का फैसला लिया, जिसके तहत बिहार की बाहर की महिलाओं को इस आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाएगा और उन्हें जनरल कैटेगरी में शामिल किया जाएगा।

पहले क्या व्यवस्था थी?

अब तक बिहार की सरकारी नौकरियों में 35% आरक्षण का लाभ दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी मिलता था। यानी यदि कोई महिला अन्य राज्य की निवासी होती थी, फिर भी वह बिहार की सरकारी नौकरी में महिलाओं के लिए आरक्षित 35% सीट में शामिल हो सकती थी। इससे बिहार की महिलाओं के अवसरों में कमी आ रही थी और लंबे समय से इस पॉलिसी में बदलाव की मांग हो रही थी।

अब क्या होगा बदलाव?

नई डोमिसाइल पॉलिसी के लागू होने के बाद सिर्फ वही महिलाएं 35% आरक्षण का लाभ ले सकेंगी, जिनके पास बिहार का निवास प्रमाण पत्र होगा। अन्य राज्यों की महिलाओं को बिहार की सरकारी भर्तियों में अब अनारक्षित श्रेणी (जनरल कैटेगरी) में गिना जाएगा। इस फैसले का सीधा लाभ बिहार की महिलाओं को मिलेगा और उनके लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे।

नीतीश कैबिनेट ने लिए 43 फैसले

नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 43 एजेंडों पर मुहर लगी। इसमें डोमिसाइल पॉलिसी के अलावा बिहार में पहली बार बिहार युवा आयोग के गठन का भी निर्णय लिया गया।

बिहार युवा आयोग का गठन क्यों?

बिहार में लंबे समय से युवा आयोग की मांग उठ रही थी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी कहा था कि अगर उनकी सरकार बनती है तो वह बिहार में युवा आयोग का गठन करेंगे। अब चुनावी साल में नीतीश सरकार ने इस फैसले को लागू कर दिया है। बिहार युवा आयोग युवाओं की समस्याओं के समाधान और उनके कौशल विकास के लिए काम करेगा। आयोग में युवाओं की शिक्षा, रोजगार, स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

सरकार का बयान

कैबिनेट के बाद सरकार की ओर से कहा गया कि डोमिसाइल पॉलिसी का मकसद बिहार की महिलाओं को सरकारी नौकरी में प्राथमिकता देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। वहीं, बिहार युवा आयोग युवाओं की आवाज को सरकार तक पहुंचाने में एक मजबूत प्लेटफॉर्म बनेगा।

'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर ठगी करने वाली गैंग का भंडाफोड़

- फर्जी CBI अफसर और अदालत दिखाकर डराते, खाते में करोड़ों का ट्रांजेक्शन मिला

जयपुर। डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर लोगों से ठगी करने वाली एक अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड़ जयपुर साइबर क्राइम पुलिस ने किया है। गैंग को बेंगलुरु से ऑपरेट करने वाले सरगना को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस गिरोह के तीन अन्य सहयोगियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गैंग देश के कई बड़े शहरों में लोगों को कॉल कर खुद को फर्जी सीबीआई या पुलिस अधिकारी बताकर और नकली अदालत दिखाकर डराती थी। डर के कारण लोग इनके खातों में पैसे ट्रांसफर कर देते थे। गिरोह के खातों में करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन मिला है। एसपी (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार ने बताया कि 23 मई को जयपुर के एक बुजुर्ग को अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी संजय कुमार बताते हुए कहा कि उनके नाम से खरीदे गए मोबाइल का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग और अश्लील मैसेज भेजने में हुआ है। आरोप लगाया कि उनके खाते में 2.80 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुका है।

इस गिरोह ने हरियाणा के चंडीगढ़, सोनीपत, दिल्ली के रोहिणी, बिहार के पटना और कर्नाटक के बेंगलुरु समेत कई शहरों में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों को ठगा है। इन शहरों में इनके खिलाफ कई शिकायतें और प्रकरण दर्ज हैं।

राजस्थान में कल बैंकों में कामकाज रहेगा बंद

-11 हजार कर्मचारी हड़ताल पर, बीमा-डाक-आयकर कर्मचारी भी शामिल होंगे

जयपुर। केंद्र सरकार की नीतियों और बैंकों के निजीकरण के विरोध में बुधवार को देशभर के बैंक कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। राजस्थान में करीब 11 हजार बैंक कर्मचारी और अधिकारी कामकाज से दूर रहेंगे, जिससे आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं में परेशानी हो सकती है।

राजस्थान प्रदेश बैंक कर्मचारी यूनियन के महासचिव महेश मिश्रा ने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में सार्वजनिक, निजी, विदेशी, सहकारी और ग्रामीण बैंकों के कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे। यह हड़ताल केंद्र की श्रम विरोधी नीतियों, बैंकों के निजीकरण के खिलाफ और पुरानी पेंशन योजना लागू करने, आउटसोर्सिंग पर रोक, पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने और कॉरपोरेट लोन की वसूली जैसे मुद्दों को लेकर की जा रही है।

बुधवार सुबह 10:30 बजे कर्मचारी जयपुर में बैंक ऑफ इंडिया, सी-स्कीम शाखा के बाहर प्रदर्शन करेंगे और इसके बाद हसनपुरा स्थित श्रम आयुक्त कार्यालय पहुंचकर अन्य यूनियनों के साथ संयुक्त प्रदर्शन करेंगे।

राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के सचिव टी सी झालानी ने बताया कि यह हड़ताल सिर्फ बैंकिंग सेक्टर तक सीमित नहीं रहेगी, इसमें बीमा, डाक, आयकर, बीएसएनएल, कोयला, रक्षा, आंगनबाड़ी, आशा, मिड-डे मील, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, खेत मजदूर और फैक्ट्री कर्मचारी भी शामिल होंगे। हड़ताल के माध्यम से सरकारी संस्थानों के निजीकरण और विनिवेश पर रोक, सभी सेक्टरों में पर्याप्त भर्ती, आउटसोर्सिंग और संविदा व्यवस्था समाप्त करने, कॉरपोरेट से एनपीए की वसूली और बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाने जैसी मांगें की जाएंगी। साथ ही, न्यूनतम वेतन 26,000 रुपए प्रतिमाह करने और समान काम के लिए समान वेतन लागू करने की भी मांग की गई है।

अमरनाथ यात्रा: पांचवें दिन 24 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

-अब तक 93 हजार पहुंचे; जम्मू से छठा जत्था रवाना

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा के पांचवें दिन सोमवार को 23,857 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए। यह अब तक एक दिन में दर्शन करने वालों की सबसे बड़ी संख्या है। इससे पहले पहले दिन 12,348, दूसरे दिन 14,515, तीसरे दिन 21,109 और चौथे दिन 21,512 श्रद्धालु गुफा में दर्शन कर चुके हैं। इस तरह पांच दिनों में दर्शन करने वालों की कुल संख्या 93,336 पहुंच गई है।

जम्मू से छठा जत्था रवाना

सोमवार को 8,605 यात्रियों का छठा जत्था जम्मू से गांदरबल के बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। 38 दिन तक चलने वाली यह यात्रा बालटाल और पहलगाम दोनों रूटों से हो रही है और 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन इसका समापन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और करीब 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे।

यात्रा मार्ग पर सुरक्षा और सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के लिए 581 अलग-अलग सुरक्षा कंपनियां तैनात की गई हैं, जिनमें CRPF, BSF, SSB, CISF और अन्य एजेंसियों के जवान शामिल हैं। बालटाल से गुफा तक हर दो किलोमीटर पर मेडिकल कैंप लगाए गए हैं। साथ ही, चार स्टैंड बनाए गए हैं और पैदल, घोड़े पर व पालकी में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए हैं।

हर 50 मीटर पर एक जवान तैनात है। मुंबई से आए श्रद्धालु प्रसाद ठाकुर ने बताया कि जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं था, उनका भी आसानी से रजिस्ट्रेशन हो गया।

भंडारों में खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था है और शौचालय से लेकर ठहरने तक सभी व्यवस्थाएं अच्छी हैं।

किस रूट से जाएं?

यदि श्रद्धालु केवल धार्मिक यात्रा करना चाहते हैं तो बालटाल रूट बेहतर है। कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने के इच्छुक यात्री पहलगाम रूट चुन सकते हैं। हालांकि, पहलगाम रूट पर 48 किलोमीटर लंबा रास्ता कहीं संकरा, कहीं जर्जर और कहीं पत्थरों से भरा है, जिससे यह चुनौतीपूर्ण बन जाता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

दलितों के खिलाफ हिंसा पर CJP की पहल, SC कमीशन से न्याय दिलाने की मांग

देश में आज भी जाति व्यवस्था की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका उदाहरण एक बार फिर सामने आया है। नागरिकों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था सिटीजंस फॉर जस्टिस एंड पीस (CJP) ने हाल ही में दलितों पर अत्याचार से जुड़े 30 मामलों को उजागर किया है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि संविधान में बराबरी और सम्मान की बातें आज भी केवल कागजों में सिमट कर रह गई हैं। CJP ने इन मामलों को संज्ञान में लेते हुए नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल्ड कास्ट्स (एससी कमीशन) को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और दोषियों को सजा दिलाई जा सके। इन मामलों में दलितों के खिलाफ शारीरिक हिंसा, सामाजिक बहिष्कार, जबरन जमीन कब्जाने, बलात्कार और हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं। सबसे दुखद यह है कि इनमें से कई घटनाओं में पुलिस प्रशासन ने भी पीड़ितों की शिकायत दर्ज नहीं की और अगर दर्ज की भी तो जांच में लापरवाही बरती। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों ने बताया कि कई मामलों में पुलिस ने दबाव बनाकर समझौता करवाने की कोशिश की, कुछ जगहों पर शिकायत वापस लेने के लिए धमकाया गया, और कहीं-कहीं पर आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे पीड़ित परिवार भय के साये में जीने को मजबूर हैं। CJP ने कहा है कि इन घटनाओं से साफ जाहिर होता है कि अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की अवहेलना की जा रही है और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने की दिशा में राज्य सरकारें असफल रही हैं। इस अधिनियम के तहत यह स्पष्ट है कि दलितों पर अत्याचार के मामलों में पुलिस को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर जांच करनी होती है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होती है, लेकिन इन मामलों में पुलिस और प्रशासन की उदासीनता ने दलित समाज में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। इन 30 मामलों में से कुछ उदाहरण यह बताते हैं कि किस तरह सामाजिक भेदभाव और जातिगत नफरत अब भी लोगों की मानसिकता में बैठी हुई है। उत्तर प्रदेश में एक गांव में दलित परिवार को केवल इसलिए बेरहमी से पीटा गया क्योंकि उनके बच्चे ने ठाकुर समुदाय के बच्चे के साथ बैठकर खाना खा लिया था। मध्य प्रदेश में एक दलित किसान की जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर लिया और शिकायत करने पर पूरे परिवार को मारपीट कर घायल कर दिया। राजस्थान में एक दलित लड़की के साथ गैंगरेप कर वीडियो वायरल कर दिया गया ताकि परिवार समाज में अपना मुंह न दिखा सके। इन मामलों में पीड़ितों ने शिकायत करने की कोशिश की तो कई जगह पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही धमकी देना शुरू कर दिया। CJP ने एससी कमीशन को सौंपे गए अपने ज्ञापन में कहा कि ऐसे मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाना और दोषियों को सजा दिलाना संविधान और कानून दोनों की रक्षा करना है। CJP ने यह भी मांग की है कि कमीशन इन मामलों की निगरानी करे और पुलिस तथा प्रशासन को निर्देश दे कि अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत इन मामलों की जांच कर विशेष अदालतों में जल्द से जल्द मुकदमा चलाया जाए। साथ ही, पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजा, सुरक्षा और पुनर्वास दिया जाए ताकि वे डर और असुरक्षा में जीने को मजबूर न हों।

संविधान के साथ या नहीं? देश की नीतियां, समाज और सत्ता क्या सच में संविधान की आत्मा का सम्मान कर रहे हैं? गंभीर पड़ताल जरूरी

"हम भारत के लोग..." जब 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने इस प्रस्तावना को अंगीकृत किया, तब यह मात्र कुछ शब्दों का दस्तावेज़ नहीं था बल्कि करोड़ों भारतीयों की आज़ादी, उनके अधिकार और उनके सम्मान की गारंटी थी। सवाल यह है कि आज़ादी के 77 साल और संविधान लागू हुए 75 साल से ज़्यादा समय बाद क्या हम वास्तव में संविधान के साथ खड़े हैं? क्या संविधान सिर्फ किताबों, अदालतों और भाषणों तक सीमित रह गया है, या यह हमारे जीवन का हिस्सा बन पाया है?

संविधान का महत्व क्यों?

भारतीय संविधान हमें यह अधिकार देता है कि हम अपने धर्म का पालन कर सकें, अपनी बात कह सकें, अपने हिसाब से जीवन जी सकें और बराबरी का दर्जा पा सकें। संविधान हमें न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के ज़रिए व्यवस्था देता है ताकि हम एक लोकतांत्रिक देश में गरिमा से रह सकें। संविधान ही वह दस्तावेज़ है जो देश को जोड़ता है और सबको बराबर की जगह देता है।

संविधान की आत्मा: समानता और न्याय

संविधान का मूल उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय देना है। इसके आर्टिकल 14 से 18 तक समानता का अधिकार है, आर्टिकल 19 से 22 तक स्वतंत्रता का अधिकार, आर्टिकल 32 मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। लेकिन इन अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब हर नागरिक संविधान के साथ खड़ा हो।

क्या आज संविधान का पालन हो रहा है?

देश में दलित, आदिवासी, मुसलमान, ईसाई, पिछड़े वर्ग और महिलाओं के साथ आज भी भेदभाव की घटनाएँ सामने आती हैं। संविधान समानता की बात करता है, लेकिन ज़मीनी हक़ीक़त में क्या हम समानता दे पा रहे हैं?

दलितों पर अत्याचार

हर रोज़ देश में कई घटनाएँ सामने आती हैं जहाँ दलित समुदाय के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है। मंदिर में प्रवेश, पानी के स्रोतों का उपयोग, स्कूल में बैठने की व्यवस्था जैसी मामूली चीज़ों में भी कई जगह भेदभाव हो रहा है।

अल्पसंख्यकों की स्थिति

संविधान सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन कई बार अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को अपने धार्मिक त्योहार, पहनावा और खान-पान को लेकर परेशान किया जाता है। गो हत्या के नाम पर भीड़ द्वारा हिंसा, मस्जिदों में हमले, धार्मिक उन्माद जैसी घटनाएँ संविधान की आत्मा पर आघात करती हैं।

महिलाओं के अधिकार

संविधान में पुरुष और महिला को समान माना गया है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ हिंसा, दहेज हत्या, बलात्कार जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में भी बराबर प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है।

संविधान और राजनीति

राजनीतिक दल चुनावों में वोट माँगते समय संविधान की रक्षा की बात करते हैं, लेकिन सत्ता में आते ही कई बार वही दल संविधान की अनदेखी करते हैं। नफरत की राजनीति, जाति-धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण और जनता की आवाज़ को दबाना संविधान की आत्मा के खिलाफ जाता है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले

संविधान हमें अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, लेकिन हाल के वर्षों में पत्रकारों, लेखकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों पर राजद्रोह और यूएपीए जैसी धाराओं में मुकदमे दर्ज कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश की गई। यह प्रश्न खड़ा करता है कि क्या हम संविधान के साथ खड़े हैं या उसके खिलाफ?

न्यायपालिका की भूमिका

संविधान में न्यायपालिका को संरक्षक की भूमिका दी गई है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट समय-समय पर महत्वपूर्ण फैसलों से संविधान की रक्षा करते आए हैं, जैसे:

मीनर्वा मिल्स केस (1980): न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखा।

केशवानंद भारती केस (1973): संविधान के मूल ढांचे को अपरिवर्तनीय बताया।

नवतेज सिंह जौहर केस (2018): धारा 377 को खत्म कर समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर किया।

इन फैसलों ने दिखाया कि संविधान अभी भी जीवित है, लेकिन न्यायपालिका पर बढ़ता दबाव और लंबित मामलों की अधिकता संविधान की आत्मा को प्रभावित कर रही है।

नागरिकों की भूमिका

संविधान सिर्फ अदालतों या सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है। नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे संविधान का पालन करें और दूसरों को भी इसके पालन के लिए प्रेरित करें। हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि: सड़क पर कूड़ा न फेंकना भी संविधान की मूल भावना का पालन है। महिलाओं और अल्पसंख्यकों का सम्मान करना संविधान के प्रति ईमानदारी है। अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना संविधान के साथ खड़ा होना है।

संविधान पर खतरे

धर्म के नाम पर राजनीति: संविधान धर्मनिरपेक्षता की बात करता है, लेकिन सत्ता के लिए धर्म का इस्तेमाल संविधान के खिलाफ है। भीड़तंत्र का बढ़ना: भीड़ द्वारा न्याय करना संविधान की न्याय व्यवस्था को चुनौती देना है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करना: चुनाव आयोग, सीबीआई, ईडी जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग संविधान के लिए खतरा है। असहिष्णुता और नफरत: संविधान विविधता में एकता की बात करता है, लेकिन नफरत की राजनीति संविधान के खिलाफ जाती है।

संविधान को बचाने के उपाय

संवैधानिक शिक्षा: स्कूलों और कॉलेजों में संविधान की शिक्षा अनिवार्य की जाए ताकि बच्चे नागरिक अधिकार और कर्तव्य समझ सकें। संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा: समाज में बराबरी, बंधुत्व और न्याय की भावना विकसित की जाए। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना: सरकार को न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिशों से दूर रहना चाहिए। अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों की रक्षा: दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जाएँ। संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करना: चुनाव आयोग, सीबीआई जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र और निष्पक्ष रखा जाए। भारतीय संविधान हमें बराबरी, आज़ादी और न्याय का हक़ देता है। यह सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि हमारे अधिकार और कर्तव्यों का ज़रिया है। सवाल यह है कि क्या हम सच में संविधान के साथ खड़े हैं? संविधान हमें धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन आज भी अल्पसंख्यकों और दलितों पर अत्याचार की घटनाएँ सामने आती हैं। महिलाओं के साथ भेदभाव, बलात्कार और हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। धर्म और जाति के नाम पर राजनीति और भीड़ द्वारा हिंसा संविधान की आत्मा के खिलाफ है। अभिव्यक्ति की आज़ादी पर पाबंदी लगाना भी संविधान की भावना को ठेस पहुँचाता है। न्यायपालिका संविधान की रक्षा करती है, लेकिन न्याय मिलने में देरी और संस्थाओं पर दबाव जैसी चुनौतियाँ भी हैं। संविधान कहता है कि देश में सबको समान अवसर और न्याय मिले, लेकिन क्या हम हर रोज़ अपने व्यवहार में इसका पालन करते हैं? हमें संविधान के साथ खड़े रहने के लिए दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना होगा, जाति-धर्म से ऊपर उठकर इंसानियत की सोच रखनी होगी, और अपने कर्तव्यों को निभाना होगा। संविधान को बचाना सिर्फ अदालत या सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि हम संविधान की रक्षा करेंगे, तभी हमारा देश सच्चे मायने में लोकतांत्रिक और सबको बराबरी देने वाला बनेगा। हमें खुद से पूछना होगा, क्या हम संविधान के साथ हैं? भारतीय संविधान हमें बराबरी, आज़ादी और न्याय का हक़ देता है। यह सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि हमारे अधिकार और कर्तव्यों का ज़रिया है। सवाल यह है कि क्या हम सच में संविधान के साथ खड़े हैं? संविधान हमें धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन आज भी अल्पसंख्यकों और दलितों पर अत्याचार की घटनाएँ सामने आती हैं। महिलाओं के साथ भेदभाव, बलात्कार और हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। धर्म और जाति के नाम पर राजनीति और भीड़ द्वारा हिंसा संविधान की आत्मा के खिलाफ है। अभिव्यक्ति की आज़ादी पर पाबंदी लगाना भी संविधान की भावना को ठेस पहुँचाता है। न्यायपालिका संविधान की रक्षा करती है, लेकिन न्याय मिलने में देरी और संस्थाओं पर दबाव जैसी चुनौतियाँ भी हैं। संविधान कहता है कि देश में सबको समान अवसर और न्याय मिले, लेकिन क्या हम हर रोज़ अपने व्यवहार में इसका पालन करते हैं? हमें संविधान के साथ खड़े रहने के लिए दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना होगा, जाति-धर्म से ऊपर उठकर इंसानियत की सोच रखनी होगी, और अपने कर्तव्यों को निभाना

वाजिद अली शाह: अवध के नवाब से लेकर कलकत्ता में आख़िरी 30 साल बिताने तक

-वाजिद अली शाह: अवध के आख़िरी नवाब की दास्तान

जब भी अवध की तहज़ीब, शायरी, संगीत, रक्स (नृत्य) और नफ़ासत का ज़िक्र होता है, तो वाजिद अली शाह का नाम ज़रूर लिया जाता है। वे सिर्फ़ एक हुक्मरान नहीं थे बल्कि एक शायर, संगीतकार, रंगकर्मी और कला-प्रेमी इंसान भी थे। उनके दौर में अवध ने तहज़ीब और फन की ऊँचाइयों को छुआ, लेकिन उसी दौर में ब्रिटिश हुकूमत ने अवध की आज़ादी भी छीन ली। वाजिद अली शाह का सफर लखनऊ के शानदार महलों से लेकर कलकत्ता (कोलकाता) की तन्हा गली तक एक दिलचस्प और दर्दनाक दास्तान पेश करता है।

शुरुआती ज़िंदगी और तालीम

वाजिद अली शाह का जन्म 30 जुलाई 1822 को हुआ। उनके वालिद अमजद अली शाह अवध के नवाब थे। वाजिद अली शाह ने अरबी, फ़ारसी, उर्दू, और इस्लामी तालीम हासिल की। उनके उस्तादों में उस वक़्त के नामी शायर और आलिम शामिल थे। उन्हें संगीत और शायरी का शौक बचपन से ही था और जल्द ही वे शायरी और गायकी में माहिर हो गए। उनकी तालीम और परवरिश ने उन्हें एक फन-परस्त शख्स बना दिया, जिसने आगे चलकर अवध के तहज़ीबी माहौल को गहरा रंग दिया।

अवध की गद्दी पर ताजपोशी

1847 में वालिद अमजद अली शाह के इंतिकाल के बाद, वाजिद अली शाह अवध के नवाब बने। उस वक़्त अवध अमन और तरक़्क़ी का गहवारा था। लखनऊ की गलियों में ग़ज़लें गूँजती थीं, मुशायरे और संगीत महफ़िलें सजती थीं, और इमामबाड़ों में रौशनी का आलम होता था। वाजिद अली शाह ने गद्दी पर बैठते ही अपने फन से महफ़िलों में रौनक भर दी। उन्होंने कथक को दरबारी नृत्य के रूप में बढ़ावा दिया, खुद भी नृत्य और संगीत की महफ़िलों में शामिल होते, और अपने दरबार में संगीतकारों व शायरों की कद्र करते थे।

उनकी शायरी और संगीत से मोहब्बत

वाजिद अली शाह खुद एक काबिल शायर थे। उन्होंने "अख़्तर" तख़ल्लुस से शायरी की और उनके कलाम में इश्क़, दर्द और हिज्र की कशिश मिलती है। उनकी लिखी ठुमरियाँ आज भी गायकों द्वारा गाई जाती हैं। उनका लिखा एक प्रसिद्ध ठुमरी:

"बाबुल मोरा नैहर छूटो ही जाए..."

आज भी बेहद मकबूल है, जिसमें एक बेटी के ससुराल विदा होने का दर्द बयाँ किया गया है। उन्होंने कई नाटक और नृत्य-नाटिकाएं भी लिखीं और स्वयं उनमें किरदार निभाए। उनके दौर में लखनऊ संगीत और रक्स का मरकज़ बन गया।

ब्रिटिश हुकूमत और साजिशें

19वीं सदी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी हिंदुस्तान में अपनी पकड़ मजबूत कर रही थी। अवध की दौलत और इसकी रणनीतिक अहमियत पर उनकी नज़र थी। उन्होंने अवध की अंदरूनी हालत को बहाना बनाकर वाजिद अली शाह की हुकूमत पर उंगलियाँ उठाईं। 1856 में अंग्रेजों ने अवध पर क़ब्ज़ा कर लिया और वाजिद अली शाह को उनके तख़्त से बेदख़ल कर दिया। नवाब ने अपनी हुकूमत बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन ब्रिटिश चालों के सामने कुछ भी काम न आया।

कलकत्ता का सफर और तन्हाई

गद्दी से हटाए जाने के बाद, वाजिद अली शाह को कलकत्ता (कोलकाता) भेज दिया गया। उन्होंने वहाँ मटियाबुर्ज में अपनी ज़िंदगी के आख़िरी 30 साल गुजारे। कलकत्ता में रहते हुए उन्होंने एक छोटी अवध बसाई, जिसे लोग "छोटी लखनऊ" भी कहते थे। वहाँ भी उन्होंने संगीत, नृत्य, और मुशायरों की महफ़िलें जारी रखीं। लेकिन अब उनका दिल टूट चुका था। एक हुकूमत करने वाला नवाब, जिसके महलों में रंग-बिरंगी महफ़िलें सजती थीं, वह अब एक हुकूमत से महरूम इंसान बन चुका था, जिसे अंग्रेजों ने नजरबंद सरीखी ज़िंदगी में डाल दिया था।

मटियाबुर्ज में कल्चरल सेंटर

कलकत्ता में रहते हुए भी वाजिद अली शाह ने फन और तहज़ीब को जिंदा रखा। उन्होंने मस्जिदें, इमामबाड़े और महफ़िलें कायम कीं। उन्होंने वहाँ भी कथक, ठुमरी और शायरी की महफ़िलें सजाईं। उनकी मेहंदी की रस्में, मुहर्रम के जुलूस और संगीत महफ़िलें कलकत्ता में अवध की याद दिलाती थीं। उन्होंने कई नए राग और ठुमरियां पेश कीं और कलकत्ता में कथक को नया जीवन दिया। इस तरह वाजिद अली शाह ने अपनी गुलामी की ज़िंदगी में भी तहज़ीब की शमअ को बुझने नहीं दिया।

अवामी मोहब्बत

वाजिद अली शाह ने अपने दौर में अवाम के दिलों में जो मोहब्बत हासिल की, वो आज भी उनकी शख़्सियत को जिंदा रखे हुए है। अवध के लोग उन्हें एक मुहब्बत करने वाला नवाब मानते थे, जिसने कला और तहज़ीब को बढ़ाया और अमन कायम रखा। उनकी अवाम से मोहब्बत का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब अंग्रेजों ने अवध पर क़ब्ज़ा किया, तो अवध की अवाम ने उनके साथ खड़े होकर विरोध किया और 1857 की आज़ादी की जंग में लखनऊ की बगावत ने अंग्रेजों को हिला कर रख दिया।

इंतिकाल और विरासत

वाजिद अली शाह का इंतिकाल 21 सितंबर 1887 को कलकत्ता में हुआ। उन्हें मटियाबुर्ज में ही दफन किया गया। आज भी मटियाबुर्ज की गलियों में वाजिद अली शाह की यादें सांस लेती हैं। उनकी बनाई ठुमरियां, उनके लिखे कलाम, और उनके द्वारा बढ़ावा दी गई कथक की रवायत आज भी हिंदुस्तान की तहज़ीबी विरासत का अहम हिस्सा हैं।

उनकी ज़िंदगी से मिलने वाले सबक

1 फन और तहज़ीब की हिफाज़त: वाजिद अली शाह ने मुश्किल हालात में भी तहज़ीब और फन को जिंदा रखा, यह हमें अपने कल्चर को बचाए रखने का सबक देता है।

2 अमन पसंदी: वे अमन पसंद थे और लड़ाई के बजाय बातचीत से मसला हल करने में यकीन रखते थे।

3 कल्चर से मोहब्बत: उन्होंने हमेशा कला और संस्कृति को संरक्षण देकर उसे आम जनता तक पहुँचाया।

वाजिद अली शाह: तहज़ीब और फन का रखवाला नवाब

वाजिद अली शाह अवध के आख़िरी नवाब थे, जो शायरी, संगीत, नृत्य और तहज़ीब के मुहाफ़िज़ थे। उनका जन्म 1822 में हुआ और वे बचपन से ही फन और अदब में माहिर थे। 1847 में अवध के नवाब बने और लखनऊ को ग़ज़ल, ठुमरी और कथक का गहवारा बना दिया। उन्होंने "बाबुल मोरा" जैसी मशहूर ठुमरियाँ लिखीं और कथक को नई पहचान दी। 1856 में अंग्रेजों ने अवध पर क़ब्ज़ा कर लिया और उन्हें कलकत्ता भेज दिया। वहाँ मटियाबुर्ज में उन्होंने आख़िरी 30 साल "छोटी लखनऊ" बसा कर गुजारे, जहाँ महफ़िलें, मुहर्रम और संगीत की रवायत कायम रखी। 1887 में इंतिकाल के बाद भी उनकी यादें उनकी बनाई ठुमरियों और कथक में ज़िंदा हैं। वाजिद अली शाह की ज़िंदगी हमें तहज़ीब और फन की हिफाज़त, अमन और कल्चर से मोहब्बत का सबक देती है।

कर्नाटक सरकार ने मुस्लिमों को दिया एक और तोहफ़ा, अब इस योजना में बढ़ा दिया आरक्षण

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय को लेकर एक और बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य की कल्याणकारी योजनाओं में मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षण बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस फैसले को लेकर राज्य की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं, जहां कांग्रेस इसे 'सामाजिक न्याय' का कदम बता रही है, वहीं विपक्ष इसे तुष्टिकरण की राजनीति बता रहा है।

किस योजना में बढ़ाया गया है आरक्षण

कर्नाटक सरकार ने हाल ही में कल्याणकारी छात्रवृत्ति योजना, स्वरोजगार योजनाओं और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मुस्लिम समुदाय के लिए आरक्षित सीटों का प्रतिशत बढ़ाया है। पहले इन योजनाओं में मुस्लिम समुदाय को सीमित सीटें मिलती थीं, लेकिन अब सरकार ने इसे बढ़ाकर कुल आरक्षित सीटों में 10 प्रतिशत तक करने का निर्णय लिया है। यह बढ़ोतरी खासतौर पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं में लागू की गई है।

सरकार का तर्क: सामाजिक न्याय और शैक्षिक पिछड़ापन

कर्नाटक सरकार का कहना है कि राज्य में मुस्लिम समुदाय आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा हुआ है। इनके बच्चे उच्च शिक्षा तक कम पहुंच पाते हैं और स्वरोजगार के लिए संसाधनों की कमी झेलते हैं। सरकार के अनुसार, आरक्षण बढ़ाने से इस समुदाय के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे उनका जीवन स्तर सुधर सकेगा। साथ ही सरकार ने यह भी कहा कि यह कदम राज्य में सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में एक प्रयास है।

पहले भी हटाया गया था 4% **मुस्लिम आरक्षण, अब राहत**

याद रहे, मार्च 2023 में भाजपा सरकार ने राज्य में मुस्लिमों को मिलने वाले 4% ओबीसी आरक्षण को समाप्त कर दिया था और इसे लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय को दे दिया गया था। उस फैसले को लेकर मुस्लिम समुदाय और विपक्ष में नाराज़गी देखी गई थी। अब कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद मुस्लिम समुदाय को योजनाओं में आरक्षण बढ़ाकर एक प्रकार से राहत देने की कोशिश की है।

किन योजनाओं में मिलेगा लाभ

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजना: मुस्लिम छात्रों को पीयूसी, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन में छात्रवृत्ति में प्राथमिकता।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना: मुस्लिम युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए सब्सिडी और ऋण में प्राथमिकता।

ग्राम स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्रों में सीटें: मुस्लिम युवाओं के लिए विशेष सीटें सुनिश्चित।

अल्पसंख्यक कल्याण निगम की योजनाओं में प्राथमिकता: रोजगार उन्मुख योजनाओं में सुविधा।

प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में लाभ।

कितने लोगों को होगा सीधा लाभ

राज्य में मुस्लिम समुदाय की आबादी करीब 13% के आसपास है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस कदम से पहले चरण में करीब 1 लाख मुस्लिम छात्र और युवा लाभान्वित होंगे। स्वरोजगार योजनाओं में करीब 25 हजार युवाओं को सालाना लाभ मिलने का अनुमान है।

विपक्ष ने साधा निशाना, बताया तुष्टिकरण की राजनीति

जहां कांग्रेस सरकार इस कदम को सामाजिक न्याय बता रही है, वहीं भाजपा और जेडीएस ने इसे 'वोट बैंक की राजनीति' करार दिया है। भाजपा प्रवक्ताओं ने कहा कि "कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय को केवल वोट के लिए इस्तेमाल कर रही है, जबकि जरूरत है कि सभी गरीब वर्गों को समान रूप से योजनाओं का लाभ दिया जाए।" वहीं, कांग्रेस नेताओं ने जवाब में कहा कि "यह कदम संविधान और सामाजिक न्याय की भावना के अनुरूप है।"

मुस्लिम संगठनों ने किया स्वागत

राज्य के कई मुस्लिम संगठनों और उलेमा ने इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे गरीब मुस्लिम परिवारों के बच्चों को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल सकेंगे, जिससे वे समाज की मुख्यधारा में आ सकेंगे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कर्नाटक सदस्य ने कहा कि "यह एक सकारात्मक कदम है, परंतु इसे ईमानदारी से लागू किया जाए, ताकि जमीनी स्तर पर इसका लाभ मिल सके।"

सुप्रीम कोर्ट में लंबित 4% आरक्षण मामला

ध्यान देने योग्य बात यह है कि कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। भाजपा सरकार के फैसले के खिलाफ कांग्रेस और मुस्लिम संगठनों ने याचिका दायर कर रखी है। अब इस नए कदम के बाद कानूनी और राजनीतिक दृष्टि से भी हलचल तेज हो सकती है।

आने वाले समय में अन्य योजनाओं में भी विस्तार

सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक सरकार जल्द ही अल्पसंख्यक लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'मुख्यमंत्री मुस्लिम छात्रा प्रोत्साहन योजना' शुरू करने पर भी विचार कर रही है ।

गांव-गरीब को सशक्त बनाने का माध्यम बन रहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा

-राज्य सरकार पूर्ण रूप से समर्पित- भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर व्यक्ति-हर परिवार को सशक्त और समृद्ध बनाते हुए उनकी सेवा करना हमारी सरकार का सर्वोच्च ध्येय है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा इसी दिशा में हमारा एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरे समर्पण और निष्ठा से काम कर रही है।

शर्मा मंगलवार को बीकानेर में श्रीडूंगरगढ़ के गुसांईसर बड़ा गांव में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल शिविर के अंतर्गत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का समग्र विकास संभव है। उनकी इस भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने वंचितों को वरीयता देते हुए अपनी नीति एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा इसी रूपरेखा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिविर में हो रहे तत्परता से कार्य—

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में 24 जून से 9 जुलाई तक चलने वाले इस पखवाड़े के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में किसान, युवा, महिला एवं मजदूर सहित सभी वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। इन शिविरों में नामांतरण, बंटवारे, रास्ते के प्रकरण, पशु टीकाकरण, पानी टंकियों की सफाई, लीकेज मरम्मत, बिजली के झूलते तारों का दुरूस्तीकरण जैसे कई जरूरत के काम तत्परता से किए जा रहे हैं। जिनसे आमजन को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं आसानी से मिल रही हैं।

महिलाओं-युवाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार—

शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास तेजी से कर रही है। महिला कल्याण को प्रमुख प्राथमिकता देते हुए नीतियों एवं योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ो प्रोत्साहन योजना, मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरण, कालीबाई भील मेधावी

छात्रा स्कूटी योजना आदि के माध्यम से महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। हमने डेढ़ वर्ष के अल्प कार्यकाल में 69 हजार पदों पर नियुक्तियां दी है और लगभग 1 लाख 88 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल में पेपरलीक का एक भी प्रकरण सामने नहीं आया है।

किसानों के कल्याण के लिए उठाए महत्वपूर्ण कदम—

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गोपाल क्रेडिट कार्ड और किसान सम्मान निधि जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाया। साथ ही, किसानों की मांग के अनुरूप मूंगफली की खरीद के लिए निर्धारित समय को भी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए हम रामजल सेतु लिंक परियोजना (ईआरसीपी) और यमुना जल समझौता पर तेजी से कार्य कर रहे हैं। साथ ही, हमने इंदिरा गांधी और गंगनहर परियोजना के विकास कार्य के लिए भी 4 हजार करोड़ रुपये दिए हैं। वहीं, हम किसानों को वर्ष 2027 तक दिन के समय में बिजली उपलब्ध कराने के लिए दृढ़संकल्पित हैं।

अजमेर ज़ोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

- तेज़ी से होंगी सड़क परियोजनाएं पूरी, जनता को मिलेगा सीधा लाभ - दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को सचिवालय में आयोजित अजमेर ज़ोन की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि बजट 2024-25 की घोषणाओं को शीघ्र पूरा किया जाए, तथा बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं पर निविदा प्रक्रिया तत्काल पूरी कर कार्य प्रारंभ करवाए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

बैठक में अजमेर ज़ोन के अंतर्गत आने वाले अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, डीडवाना और ब्यावर जिलों की सड़कों और भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बरसात के दौरान यदि कहीं सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं, तो अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर तुरंत मरम्मत कार्य करवाएं, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी के कार्यों की प्रगति की निगरानी हेतु हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

बैठक में एनएचएआई, राष्ट्रीय राजमार्ग (NH), राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (RSRDC), राजस्थान स्टेट हाईवे अथॉरिटी, पेचेबल, नॉन-पेचेबल व मिसिंग लिंक जैसी विभिन्न श्रेणियों की सड़क परियोजनाओं के साथ भवन निर्माण कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

इस अवसर पर एसीएस पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, पीडब्ल्यूडी सचिव डी.आर. मेघवाल, मुख्य अभियंता टी.सी. गुप्ता सहित मुख्यालय एवं संबंधित जिलों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

06 परिवारों के 30 व्यक्तियों में चल रहा वर्षों का भूमि विवाद मिनिटों में हल

- मुकदमा वापस, चेहरों पर छाई खुशी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा 2025 के तहत मंगलवार को तहसील स्तर पर आयोजित फॉलोअप शिविर में सुन्दरा पुत्र जुवारा जाति मीणा व जगदीश, नाहरा, बजरंग तथा सुरा पुत्र रामजीवण निवासी रतनपुरा द्वारा उपखण्ड अधिकारी फागी राकेश कुमार व तहसीलदार फागी रवि शेखर चौधरी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत करवाया की उनके मध्य खेतों व कुंए पर जाने वाले रास्ता संबंधी विवाद है। भूमि विभाजन नहीं होने के कारण प्रार्थीगण अपने हिस्से की भूमि का सदुपयोग नहीं कर पा रहे हैं। आपसी विवाद के कारण प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है एवं पुलिस थाना में भी मुकदमा दर्ज है। उपखण्ड अधिकारी द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए परिवादियों के बीच आपसी समझाईश की गई। परिवादियों द्वारा उपखण्ड अधिकारी की समझाईश पर न्यायालय में दर्ज प्रकरण जिसमें कुल 19 बीघा जमीन 10 खसरे एवं 06 परिवारों के 30 व्यक्तियों के बीच चल रहा विवाद आपसी सहमति से खत्म होने पर आपसी सहमति से विभाजन के कुर्रेजात मौके पर ही तैयार किये गये। वर्षों से चल रहे विवाद मिनिटों में खत्म होने एवं कुर्रेजात तैयार होने तथा पुलिस थानें मं दर्ज मुकदमा वापस होने पर परिवादियों के चेहरे पर खुशी की लहर छा गई। परिवादियों ने राज्य सरकार व जिला प्रशासन का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडा के तहत शिविर आयोजित करने पर उनके परिजनों की ओर से कोटि-कोटि धन्यवाद दिया हैं।

पेंशन का सत्यापन होने से अमरचन्द रैगर व गीता देवी बलाई को मिली राहत

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाडा के अन्तर्गत मंगलवार को पंचायत समिति सांभरलेक में आयोजित ब्लॉक स्तरीय फोलोअप शिविर के अन्तर्गत प्राप्त सूचना के द्वारा ग्राम पंचायत नौरंगपुरा सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को भेजकर 08 जुलाई 2025 को ही विशेष योग्यजन एवं वृद्धजन सम्मान पेशन योजना का सत्यापन करवाया गया जिससे प्रार्थी गीता देवी बलाई व अमरचन्द रैगर ने राहत की सांस ली और राज्य सरकार का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाडा फोलोअप शिविर आयोजित करने पर आभार व्यक्त किया।

आमजन के संबल के आधार बने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर

- जयपुर में 7 जुलाई तक 456 शिविरों में 43 लाख से ज्यादा कार्यों का हुआ संपादन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जयपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर में शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शिविरों में हुए कार्यों की प्रगति की उपखंडवार एवं विभागवार समीक्षा की। साथ ही फॉलोअप शिविरों की कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत जयपुर जिले में 7 जुलाई 2025 तक आयोजित 456 शिविरों में कुल 43 लाख 74 हजार 581 तरह के कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन किया गया। जिसके अंतर्गत राजस्व विभाग के 18 हजार 449, ग्रामीण विकास विभाग के 3 लाख 28 हजार 60, पंचायती राज विभाग के 3 लाख 72 हजार 589, विद्त विभाग के 63 हजार 641, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के 19 हजार 195, जल संसाधन विभाग के 57 हजार 764 कार्यों का संपादन किया गया है। वहीं, कृषि विभाग के 64 हजार 89, वन विभाग के 18 लाख 60 हजार 621, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के 1 लाख 12 हजार 873, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 6 लाख 42 हजार 923, पशुपालन विभाग के 4 लाख 74 हजार 524, जनजातीय विकास विभाग के 25, शिक्षा विभाग के 3 लाख 51 हजार 317, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 8 हजार 511 एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के 8 हजार 658 कार्यों का सफलतापूर्वक संपादन कर लाखों आमजन तक राहत पहुंचाई गई है।

जयपुर जिले के आमेर उपखंड में आयोजित 23 शिविरों में 5 लाख 84 हजार 71, सांभर में आयोजित 21 शिविरों में 2 लाख 62 हजार 727, जोबनेर में आयोजित 22 शिविरों में 2 लाख 53 हजार 682, जयपुर प्रथम उपखंड में आयोजित 12 शिविरों में 1 लाख

39 हजार 821, दूदू में आयोजित 18 शिविरों में 1 लाख 89 हजार 663, मौजमाबाद में आयोजित 21 शिविरों में 2 लाख 13 हजार 689, फागी में आयोजित 19 शिविरों में 1 लाख 77 हजार 827, शाहपुरा में आयोजित 32 शिविरों में 3 लाख 18 हजार 823, बस्सी में आयोजित 50 शिविरों में 4 लाख 94 हजार 839 कार्यों का निस्तारण किया गया।

वहीं, किशनगढ़ रेनवाल में आयोजित 25 शिविरों में 2 लाख 1 हजार 122, सांगानेर में आयोजित 13 शिविरों में 1 लाख 8 हजार 824, चाकसू में आयोजित 45 शिविरों में 3 लाख 49 हजार 40, जमवारामगढ़ में आयोजित 55 शिविरों में 4 लाख 15 हजार 514, रामपुरा डाबड़ी में आयोजित 34 शिविरों में 2 लाख 32 हजार 200, चौमूं में आयोजित 47 शिविरों में 3 लाख 22 हजार 403, माधोराजपुरा में आयोजित 19 शिविरों में एक लाख 10 हजार 336 कार्य हुए।

गौरतलब है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा पखवाड़े के तहत जिले के 16 उपखण्डों की 19 पंचायत समितियों की 461 ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। 9 जुलाई को फॉलोअप कैम्प तहसील मुख्यालय पर किया जायेगा। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक नोडल अधिकारी, तकनीकी नोडल अधिकारी और उपखंडवार नोडल प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

नएचएआई की लापरवाही से लोग बेहाल, सर्विस रोड बना तालाब

-एनएचएआई नाले में गिरा नंदी को क्रेन से निकाला बाहर

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 सर्विस रोड पर जलभराव ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस दौरान मंगलवार को एनएचएआई नाले में नंदी गिर गया। जिसको लापरवाह एनएचएआई के कर्मचारियों द्वारा क्रेन की सहायता से बाहर निकाला गया। इस दौरान नंदी को बाहर निकाला गया तो अंदरूनी चोट के कारण कुछ देर तक नंदी चल नहीं सका जिसके कारण लोगों ने नाराजगी जाहिर की है।

इस दौरान हाल की बारिशों के बाद सर्विस रोड पर पानी भर गया है। जिससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे के कई कॉलोनियों में भी पानी भरा हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एनएचएआई और संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण सड़क किनारे बने नालों की सफाई नहीं हो रही वही पानी निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। इससे बारिश का पानी सड़कों पर भर जाता है, जिससे सड़कें चलने लायक नहीं रह जातीं। और वही सबसे अधिक दिक्कत स्कूल जाने वाले बच्चों, दुकानदारों और दफ्तर आने-जाने वाले कर्मचारियों को हो रही है। बारिश होते ही सर्विस रोड कीचड़ और गंदे पानी से लबालब हो जाती है, जिससे बाइक और साइकिल सवार अक्सर फिसलकर गिर जाते हैं। गौरतलब है कि क्षेत्र से हर महीने टोल प्लाजा से करोड़ों रुपये टैक्स वसूला जाता है, लेकिन बुनियादी सुविधाएं जैसे जल निकासी और सड़क रखरखाव की और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थानीय निवासी लगातार प्रशासन और एनएचएआई को शिकायतें भेज रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

क्या कहते है एनएचएआई टी.एल शाहपुरा

अभय शुक्ला का कहना है कि एक महीने पहले ही नाले की सफाई करने आए थे पर नाले में केबल होने के कारण मशीन नहीं लगा सकते है। नाले से केबल हटाते ही दो दिन में ही नाला सफाई करवा देंगे।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा शिविर में बना वरदान

-बनी सहमती तो हुआ 60 वर्ष पुराना भूमि विवाद हल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा- 2025 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पँवालिया के ग्राम जयसिंहपुरा उर्फ रूपवास में मंगलवार को आयोजित शिविर में 73 बीघा कृषि भूमि को लेकर ग्रामवासी गोपाल, दयाल व हरजीराम वगैरह में लगभग 55-60 वर्षो से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसे लेकर उक्त सभी कृषक अभियान में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर हिम्मतसिंह के समक्ष प्रस्तुत हुए। मौके पर उपखण्ड अधिकारी तथा सरपंच पँवालिया रामराज चौधरी, भू.अ.निरीक्षक विशाल सिंहल तथा पटवारी हल्का राहुल गंगावत के प्रयास स्वरूप उक्त भूमि के विभाजन के लिए सहमति बनी। सभी खातेदार सहमत हुए, जिसमे मौके पर ही सहमति विभाजन स्वीकृत कर राजस्व रिवार्ड में अमलदरामद किया गया। इस अवसर पर समस्त खातेदारों द्वारा वर्षों पुराने विवाद के निस्तारण पर प्रशासन व पंचायत को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा-2025 आयोजित करने पर सभी परिवादियों ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रश्न एवं संदर्भ समिति की बैठक में शाहपुरा क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं पर मंथन

-विधायक मनीष यादव ने उठाई क्षेत्रीय स्वास्थ्य ढांचे की मजबूती की माँग

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा के मीटिंग सभागार में आयोजित प्रश्न एवं संदर्भ समिति की महत्वपूर्ण बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में शाहपुरा विधायक यादव ने अपने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रमुख समस्याओं एवं आवश्यकताओं को मजबूती से उठाया।

विधायक ने संबंधित अधिकारियों को इनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित भी किया। विधायक यादव ने मीटिंग में शाहपुरा में उपजिला एवं ट्रॉमा अस्पताल का शीघ्र निर्माण कराया जाने, उपजिला अस्पताल में ब्लड स्टोरेज सेंटर को ब्लड बैंक में क्रमोन्नत करने, अमरसर स्थित एएनएम ट्रेनिंग सेंटर के जीर्ण-शीर्ण भवन का पुनर्निर्माण शीघ्र कराया जाने, शाहपुरा क्षेत्र के PHC, CHC और उपजिला अस्पताल में डॉक्टर्स व स्टाफ के रिक्त पदों को भरने, साथ ही फार्मासिस्ट के स्वीकृत कैडर का पुनर्गठन किया करने, सीएचसी मनोहरपुर के लिए नवीन भवन निर्माण हेतु बजट आवंटन करने, सब सेंटर तिगरिया को PHC में क्रमोन्नत कर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अम्बरीष कुमार तथा समिति के अन्य माननीय सदस्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक यादव ने कहा:-

स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण हमारी प्राथमिकता है और हम हर स्तर पर इसके लिए सतत प्रयासरत हैं।

हरियाळो राजस्थान कार्यक्रम के तहत धानोता में लगाए पौधे

-वृक्षों को अपनी औलाद की भांति पाले – चौधरी

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। ओम चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष पंचायती राज मंत्रलायिक कर्मचारी संगठन राजस्थान ने कहा कि वृक्षों को अपनी औलाद की भांति पाले यह शब्द चौधरी ने धानोता में वृक्षारोपण में कहे। सुरेश कुमार कुलदीप ने कहा कि वृक्ष हमको लाखों रुपए की ऑक्सीजन निःशुल्क देते हैं और इससे वातावरण संतुलित रहता है।

ग्राम पंचायत धानोता में सरकारी भवनों खेल मैदान में नरेगा श्रमिकों, ग्रामीणों, स्कूल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी के स्वयं श्रमदान सहयोग से राजस्थान वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुरेश कुमार, कुलदीप, रामावतार बुनकर, राजेंद्र कुमार मीणा, हनुमान सहाय वर्मा, नानकराम सैनी, अर्जुन लाल जाट, मुक्तिलाल सैनी व समस्त शिक्षक,राजकुमार शेट्टी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा कंवर, मंजू सैनी उपस्थित रहे।

नगर पालिका ने सड़क पर भरे पानी को मठ पंप से निकलवाया

-लोगों को मिली राहत आवागमन हुआ सुगम

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका ने मंगलवार को कई दिनों से सड़कों पर जमा बरसात के पानी को मठ पंप के द्वारा निकाला गया।

पालिका अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव ने देखा कि जलदाय विभाग के नजदीक ही सड़क पर बहुत पानी जमा हो रखा था, जिससे आवागमन बाधित हो रहा था। कई दुपहिया वाहन गिरकर चोटिल हो चुके हैं और कई लोगों के कीचड़ के छींटे लगने से तू तू में में भी हो चुकी है। ऐसे में पालिका अधिशासी अधिकारी हरिनारायण यादव ने तुरंत एक्शन लेते हुए पालिका कर्मचारियों को निर्देश दिया। और सड़क पर जमा पानी को मठ पंप से पानी निकालकर आमजन राहत प्रदान की गई।

विधानसभा अध्यक्ष ने नगरीय विकास मंत्री को जन्मदिवस पर दी शुभकामनाएं

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा के जन्मदिवस के अवसर पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर शुभकामनाएं दी। देवनानी ने खर्रा को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं जनकल्याणकारी कार्यों में सतत सफलता हेतु ईश्वर से मंगलकामना की।

इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि खर्रा की जनसेवा, कार्यकुशलता और संवेदनशील नेतृत्व क्षमता से राजस्थान को नगरीय विकास के क्षेत्र में नए आयाम मिल रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि खर्रा राज्य के नागरिकों के कल्याण हेतु ऐसे ही समर्पण भाव से कार्य करते रहेंगे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संभल पखवाड़ा में जनकल्याण सेवा शिविर भूतेड़ा

-भूतेडा की सफलता की कहानी राजस्व विभाग

चौमूं(रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ही ग्राम पंचायत भूतेडा की पंचायत परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संभल एल पखवाड़ा में जल कल्याण सेवा शिविर में कई वर्षों से विवादित मामला खाता संख्या 72, 74, 222, 223, 269 खातेदार की संख्या 36 कुल खसरा 28 का कुल रकबा 18.16 हेक्टेयर बेहतर बीघा का विभाजन प्रस्ताव तैयार किया गया जो विगत 25 वर्षों से कोर्ट में चल रहा था जिसका आज ग्राम पंचायत भूतेड़ा में कैंप के दौरान जिला कलेक्टर महोदय डॉक्टर जितेंद्र कुमार सोनी के सानिध्य में उपखंड अधिकारी चौमू दिलीप सिंह राठौड़ , तहसीलदार चौमू डॉक्टर विजयपाल बिश्नोई सकैंप प्रभारी, उप तहसीलदार खेजरोली कैलाश चंद मीणा, हल्का के गिरदावर मथुरा प्रसाद यादव, पटवारीगण अभिषेक यादव, राकेश कुमार यादव, पूरणमल मीणा, ग्राम प्रतिहारी रामचंद्र बुनकर हल्का

के गिरदावर मथुरा प्रसाद यादव ने न्यायालय विवाद में काश्तकारों को समझाइश करने पर आपसी सहमति तैयार होकर बटवारा प्रस्ताव तैयार किया गया। जिसमें जिला कलेक्टर ने राजस्व टीम को सराहना करते हुए बधाई दी । ऐसे कार्य करने पर एम समझाइए इसका के आपसी समझौता कर लेते हैं तो किसानों के फिजूल खर्च वह उनकी कास्ट की जमीन उनके हक की होनी चाहिए इसके लिए फिर से साधुवाद सभी टीम को । इसी प्रकार नेतड परिवार ने जिला कलेक्टर राज्य टीम को अपना कैंप बटवारा की जय सहना देते हुए धन्यवाद दी गई। इस अवसर पर स्थानीय प्रशासनीय टीम गौरी शंकर नेतड आए हुए प्रशासन टीम को ऐसे कार्य एक छत के नीचे बिठाने का कार्य किया उसके लिए ग्रामीणों की ओर से बहुत-बहुत बधाई धन्यवाद।

पार्टी पदाधिकारी पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें

-भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई

चौमूँ(रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र चौमूँ के कार्यकर्ताओं की मंडल वार मीटिंग का आयोजन रेनवाल रोड स्थित लक्ष्मी पेराडाइज में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मीटिंग में देहात और नगर मंडल की नव गठित कार्यकारिणी पदाधिकारियों और सदस्यों का परिचय कराया गया और चारों मंडलों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर आभार व्यक्त किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक चुनाव के माध्यम से संगठन में जिम्मेदारिया दी जाती है। उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों से आग्रह किया कि पार्टी को मजबूती प्रदान करने के

लिए पूरी निष्ठा, लग्न और ईमानदारी से कार्य करें। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी भी परिस्थिति में धैर्य रखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शेखावत, कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया और नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, राम शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, मंडल उपाध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मंडल मंत्री, मंडल कोषाध्यक्ष, मंडल आई.टी. टीम, मंडल कार्यलय प्रभारी एवं मंडल सदस्य उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी के आरोप में एसपी ऑफिस का पूर्व लिपिक अब्दुल सत्तार गिरफ्तार

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना, बोरखेड़ा कोटा शहर द्वारा एसपी ऑफिस कोटा शहर के पूर्व बर्खास्तशुदा लिपिक अब्दुल सत्तार पुत्र शफी मोहम्मद को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किये जाने पर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भिजवा दिया गया। इस आशय की जानकारी देते हुए फरियादी अहसान अली ने बताया कि अभियुक्त द्वारा उसे पूर्व में कारोबार करने के नाम पर 16 लाख रुपए का चेक दिया गया था जो एक्सिस बैंक द्वारा बैंक खाते में पर्याप्त राशि न होने के अभाव में डिसऑनर कर दिया गया। इसके पश्चात अहसान अली द्वारा विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट, एन.आई. एक्ट प्रकरण क्रम 01, कोटा के समक्ष एन.आई. एक्ट की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण संख्या 2810/14 दर्ज कराया गया था। अभियुक्त अब्दुल सत्तार खान द्वारा बार-बार पेशी पर उपस्थित न होने के कारण विद्वान न्यायाधीश द्वारा उसकी गिरफ्तारी हेतु वारंट जारी किया जिस पर बोरखेड़ा थाना पुलिस द्वारा उसकी गिरफ्तारी की गई है।

पार्षद जाकिर ने किया मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों और अखाड़े के पहलवानों का स्वागत

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। यौमे आशुरा 10 मोहर्रम को ताजिये बड़ी अकीदत और धूमधाम के साथ निकाले गए। जिनका जगह - जगह स्वयंसेवी संस्थाओं, युवाओं के ग्रुप ओर व्यापारियों द्वारा छबीले लगाकर, तबर्रुक बांटकर स्वागत किया गया। नगर परिषद बारां के वार्ड नंबर 47 के पार्षद जाकिर खान द्वारा शनिवार को ताजिया कमेटी के जिम्मेदारों, अखाड़े के उस्तादों ओर पहलवानों का माला पहनाकर मोमेंटो देकर इस्तकबाल किया गया। इस दौरान उन्होंने कोतवाली थाना सीआई योगेश चौहान का भी मोहर्रम पर बेहतरीन पुलिस व्यवस्था के लिए माला पहनाकर मोमेंटो देकर स्वागत किया। उनके इस स्वागत के कार्यक्रम की सभी ने प्रशंसा की। तमाम बिरादरियों के लोगो के इस्तकबाल के दौरान उस्मान खान, रईस खान बर्तन वाले, बंटी पठान, राजू खान बर्तन वाले, जुगनू पठान, साजिद उर्फ संजय पठान, अलीम खान, राजू खान, शाहरुख खान, आरिफ खान, सलमान खान, शाहिद खान आदि मौजूद रहे।

प्रमुख अल्पसंख्यक नेता जाकिर मंसूरी के जन्मदिन पर प्रबुद्धजनों ने दी बधाई

बारां,(रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व अल्पसंख्यक समाज के प्रमुख नेता जाकिर मंसूरी का जन्मदिन उनके शुभचिंतकों ओर करीबियों ने सोमवार शाम निजी आवास पर केक काटकर मनाया। शहर अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह से ही फोन के माध्यम से ओर निजी आवास पर लोगो द्वारा उन्हें मुबारकबाद का सिलसिला जारी रहा। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद कुंडी ने भी उन्हें शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर जोरदार स्वागत किया। शाम को उन्होंने केक काटकर खुशियां साझा की। बता दे कि जाकिर मंसूरी जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी में चार बार महासचिव रह चुके हे, वर्तमान में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष है। जन्मदिन के अवसर पर कोतवाली थाना सीआई योगेश चौहान, पूर्व नगर

परिषद सभापति कैलाश शर्मा, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, अंजुमन सदर माजिद सलीम, वरिष्ठ नेता हाजी वहीद खान बर्तन वाले, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद कुंडी, एडवोकेट असलम भारती, एडवोकेट फिरोज खान, एडवोकेट रईस हाशमी सहारा, समाजसेवी शेख बहादुर, युवा व्यवसाई वाजिद सलीम, इकबाल नेता, पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज, पार्षद परवेज खान, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, नियाज़ मोहम्मद, मुमताज आलम, छात्रसंघ महासचिव साजिद हुसैन, साबिर खान प्रॉपर्टी, शायर रईस फैजी, रईस खान बर्तन वाले, रहीम पठान गोश्त वाले, अशफाक सफदर, शाहिद मास्टर, बब्लू नेशनल, रशीद लोढ़ी, मुन्ना भाई कनापुर, इशरत खान, इरशाद नेता, जुनेद अंसारी, अकील शाहदाब, कैयूम गोरी, राजा फर्नीचर, शहजाद अंसारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की प्रस्तावित यात्रा चूरू विधानसभा के जोड़ी गांव को लेकर

-मुख्यमंत्री का जोड़ी गांव का दौरा आज

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा देहात मण्डल की बैठक में उपस्थित हुवे हजारो कार्यकर्ता 8 जुलाई को प्रस्तावित चूरू विधानसभा के जोड़ी गांव में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित दौरे को लेकर आज पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने अपने चूरू आवास पर देहात मण्डल की बैठक हुई। बैठक में हजारो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, इस कार्यक्रम के संयोजक व प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, विधानसभा संयेजक पदमसिंह राठौड़, उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, पूर्व प्रधान विक्रम कोटवाद, राकेश जांगिड़, महावीर पूनियां, जसवंत स्वामी मचस्थ रहे।इस अवसर पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुऐ कहा कि हम सब का सौभाग्य है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हमारी विधानसभा के जोड़ी गांव में आ रहे है जिस प्रकार उत्साह आप लोगो में दिखाया है उससे लगता है कि यह ऐतिहासिक सभा होगी इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने पिछले बजट में जो शेखावाटी के लिए धोषणा की है इससे यहां का जन सामान्य व्यक्ति सरकार

के प्रति अपना आभार व्यक्त कर रहा है उन्होने कहा कि चूरू विधानसभा में पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में हम यु ही विकास की गंगा बहाते रहे है। उन्होने यमुना जल समझोते जिले में कृषि महाविधालय सेटेलाईट सुविधा युक्त अस्पताल देने सहित विभिन्न विकास की योजनाओं के लिए लोगो का आव्हान कीया। इस अवसर पर इस कार्यक्रम के संयोजक प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला ने सभी का आव्हान किया कि 8 तारीख को जोड़ी में होने वाली इस सभा में पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण के नेतृत्व में एवम् हमारे जिले के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में हम सब कार्यकर्ता ऐतिहासिक सभा में मुख्यमंत्री का आभार जताने के लिए उपस्थित होगे। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्पष्ट विजन है कि वे प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के लोगो के लिए विकास सुनिश्चित करें। इसमें वे सफलता पूर्वक कार्य कर रहे है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओ का आव्हान किया कि वे इस सभा में पहुंचे इसके लिए कार्यकर्ताओ को दायित्व प्रदान किये गये है। यह सभा ऐतिहासिक होगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी ने किया। कार्यक्रम में देहात मण्डल के सभी मण्डल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, एवम् कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों में हितग्राहियों को मिली राहत

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत जिले में शिविरों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व और जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के दिशा-निर्देशन में जिले के ग्रामीण अंचलों में आयोजित इन शिविरों से आमजन को त्वरित राहत और विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। शिविर के दौरान क्षेत्रीय विधायक डॉ. ललित मीणा की उपस्थिति में पीपलखेड़ी निवासी निलेश कुमार किराड़ को व्हीलचेयर प्रदान की गई। निलेश लंबे समय से असहाय जीवन जी रहे थे, और उन्हें चलने-फिरने में कठिनाई हो रही थी। अब उन्हें व्हीलचेयर मिलने से जीवन में सुविधा और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। वहीं, पहाड़ी जागीर निवासी रायसिंह को समाज कल्याण विभाग की पहल से वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में मौके पर ही उनका पेंशन स्वीकृति आदेश जारी कर दिया गया, जिससे उन्हें अब नियमित रूप से पेंशन प्राप्त होगी। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को तुरंत लाभान्वित किया गया। यह अभियान अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु चलाया जा रहा है।

जिले में रोजगार उत्सव का आयोजन और 'दिव्यांग रसोई' योजना का भव्य शुभारंभ

-विशेष योग्यजनों के लिए आत्मनिर्भरता की ओर कदम

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। 'सशक्त बारां, प्रगति को शक्ति' अभियान के तहत जिले में पहली बार संभाग स्तरीय 'दिव्यांग रोजगार उत्सव' का आयोजन किया गया। साथ ही इस अवसर पर 'दिव्यांग विकास योजना' के तहत "थाम के मेरा हाथ चलो मेरे साथ" की थीम के साथ दिव्यांग रसोई का शुभारंभ किया गया। यह सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक राधेश्याम बैरवा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विशेष योग्यजनों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजनों को अब केवल सहानुभूति की नहीं, बल्कि संबल और अवसरों की आवश्यकता है, जिसे यह सरकार प्राथमिकता दे रही है।

दिव्यांगजनों से आत्मीय संवाद और व्यापक निर्देश

जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने रोजगार शिविर में उपस्थित विशेष योग्यजनों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने स्तर पर दिव्यांगजनों को रोजगार मुहैया करवाएं। इसके साथ ही जिला कलक्टर ने निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर ज्यादा से ज्यादा कंप्यूटर व तकनीकी क्षेत्रों में दिव्यांगजनों को रोजगार देने की दिशा में प्रयास करने को कहा।

उन्होंने जिले में व्यापक दिव्यांग सर्वे करवाने के निर्देश भी दिए ताकि जरूरतमंद को रोजगार एवं योजनाओं से लाभान्वित किया जा सकें।

'दिव्यांग रसोई योजना' का शुभारंभ

जिला कलक्टर के निर्देशन में दिव्यांग विकास योजना के अंतर्गत एक अनूठी पहल करते हुए 'दिव्यांग रसोई' शुरु की गई। इस योजना का उद्देश्य जिले के ऐसे दिव्यांगजनों तक उनके आवास पर पोषणयुक्त भोजन पहुंचाना है जो स्वयं भोजन बनाने में असमर्थ हैं। जिला कलक्टर ने एक आम नागरिक के रूप में संस्था को फोन कर भोजन की मांग की। संस्था ने संतोषजनक जवाब देते हुए एक घंटे के भीतर भोजन घर तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह योजना दिव्यांगजनों के लिए न केवल पोषण का बल्कि सम्मान के साथ जीवन जीने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रोजगार उत्सव में मिला दिव्यांगजनों को रोजगार का अवसर

सहायक निदेशक शुभम नागर ने बताया कि दिव्यांग रोजगार उत्सव में 100 से अधिक दिव्यांगजनों का पंजीकरण किया गया। इस उत्सव में सात से अधिक प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय व राष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया। इन कंपनियों ने दिव्यांगजनों को उनकी शैक्षणिक योग्यता और क्षमता के अनुसार रोजगार देने का प्रस्ताव रखा। यह आयोजन विशेष रूप से 18 वर्ष से अधिक आयु के चलन अक्षमता एवं मूक-बधिर श्रेणी के दिव्यांगजनों के लिए किया गया है। इसके अंतर्गत रोजगार के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और पंजीकरण भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिला प्रमुख नंदलाल सुमन, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, औस संस्थान के सचिव संदीप जैन, विकलांग कल्याण संघ प्रदेश अध्यक्ष आफाक अहमद खान, रोजगार अधिकारी राकेश कुमार वर्मा सहित अनेक अधिकारी, संस्थाओं के प्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिल्लत एकेडमी में हुआ शानदार शैक्षिक का कार्यक्रम

-मुख्य अतिथि नायब शहर इमाम रहे

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यालय पर स्थित मिल्लत एकेडमी में एक विशेष शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि नायब शहर इमाम पीर सैयद अबरार अहमद कादरी रहे एवं वशिष्ठ अतिथि इस्लामिक स्कॉलर सैयद आरिफ कमाल व जर्नलिस्ट मोहम्मद अली पठान ने शिरकत की। उनका आगमन और स्टाफ के लिए एक प्रेरणादायक क्षण बना।कार्यक्रम की मुख्य विशेषता छात्रों द्वारा दी गई अंग्रेजी में भाषण रही, जिसमें उन्होंने शिक्षा का वास्तविक अर्थ समझाया। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ बताया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, अनुशासन और जीवन मूल्यों को सिखाती है। कार्यक्रम का आगाज स्कूल के छोटे बच्चों ने कुरान शरीफ की आयत पढ़कर शुरू किया। ओर आए हुए मेहमानों का फूल मालाओं से स्कूल स्टाफ ने स्वागत किया। सैयद अबरार अहमद ने कहा बच्चों की शिक्षा के साथ हिंदी ,इंग्लिश ,और अरबी ,उर्दू एक ही स्कूल कैंपस में दी जा रही

है यह सबसे बेहतरीन तरीका है जिससे दिन और दुनिया की दोनों तालीम एक ही छत के नीचे मिल रही हैं ऐसी स्कूलों की हमारे समाज में बहुत ही आवश्यकता है हम स्कूल के संस्थापक मुस्ताक खान का आभार व्यक्त करते हैं सैयद आरिफ खान ने कहा की पढ़ना और पढ़ाना नहीं बल्कि सीखना और सीखाना । चाहिए और बेहतर शिक्षा के बारे में अधिक जानकारी दी चाहिए मोहम्मद अली पठान ने कहा की छोटे बच्चे एक पौधे की तरह से हैं इन्हें आप जिस तरह से सीचेगे उसी तरह से उच्च शिक्षा प्राप्त कर आपको संस्थान का नाम उजागर करेंगे। मुस्ताक खान ने स्कूल व लाइब्रेरी का मेहमानों को निरीक्षण करवाया। प्रिंसिपल सोनू सर ने आए हुए सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें ज्ञान व संस्कार का महत्व सिखाते हैं। कार्यक्रम में लियाकत कुरैशी, अरबाज खान, समीर खान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन इदरीस खान ने किया। समापन दुआ और एकता, शिक्षा और नैतिक मूल्यों के संदेश के साथ किया गया।

रोटरी क्लब द्वारा बारिश से बचने के लिए किये रेनकोट व छाता वितरण

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। रोटरी क्लब अध्यक्ष सूर्य प्रकाश विजय व सचिव महेश तिवारी ने बताया कि बारिश के मौसम को मध्य नजर रखते हुए क्लब द्वारा गरीबों में रेनकोट व छातों का वितरण किया गया ताकि गरीब आदमी बरसात में भीगने से बच सके। रोटेरियन राकेश सेठी, पूर्व सचिव अशोक बिसराती, राजेन्द्र मित्तल, जितेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया रही। जिला प्रमुख भाया ने कहा कि मैं हमेशा इसी प्रकार दिन रात आमजन की सेवा करती रहूंगी। डॉ. त्रिवेश बरदानिया व आदित्य जैन ने बताया कि आगे रोटरी द्वारा सेवा के नये आयाम स्थापित किये जाएगें। क्लब की पहली महिला कल्पना विजय ने उर्मिला जैन भाया का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष सुनील जैन, रोटेरियन धीरज तिवारी, प्रदीप मारू ने बताया कि 07 जुलाई को जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया के जन्मदिन के अवसर पर क्लब सदस्यों द्वारा डॉ. त्रिवेश बरदानिया के क्लिनिक पर श्रीमती भाया का स्वागत सम्मान करके केक कटवाया एवं जन्मदिन की बधाईयां दी गई।

चूरू लाईब्रेरी तीसरा वार्षिकोत्सव में ललित जांगिड़ को किया समानित

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लाईब्रेरी के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्यतिथि ललित जांगिड़ ने लदाख साईकिल यात्रा के बाद पहली बार साईकिल से चूरू लाईब्रेरी पहुचे जहा पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया गया चूरू लाईब्रेरी के व्यवस्थापक बी.एन राजोतिया ने तिरंगा साफा पहनाकर स्वागत किया ISF CO. के प्रबंधक एवं भाजपा जिला आईटी जिला संयोजक विनोद सैनी ने दुपट्टा पहनाकर सामानित किया। चूरू लाईब्रेरी के व्यवस्थापक बी एन राजोतिया ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया और चूरू लाईब्रेरी के तीसरे वार्षिकोत्सव पर सभी छात्र छात्राओ को इस आधुनिक युग में ऑनलाई लाईब्रेरी कलासेज से 12 कक्षा के बाद में एक कम्पीटीशन होता है जिस से लाईब्रेरी में पढाई का माहोल बनत हैं राजोतीया ने कहा यहां से पढ़े स्टूडेंट्स सरकारी नोकरी लग चुके है। कार्यक्रम के वशिष्ठ अतिथि ISF CO. के प्रबंधक हेमन्त शर्मा एवं भाजपा जिला आईटी जिला संयोजक विनोद सैनी ने सभी छात्र छात्राओं को प्रेरित किया संदीप कुमार ने छात्र छात्राओ को कविताएँ बोल कर सभी को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के अतिथि मति गीता देवी, सुश्री लक्ष्मी कस्वां, संजय जांगिड़ ने विचार व्यक्त किए सास्कृतिक प्रोग्राम में सुश्री कविता जांगिड़ को प्रथम द्वितीय पुरस्कार प्रकाश योगी मिला एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी स्टूडेंट्स को स सांत्वना पुरस्कार दिया गया, प्रोग्राम में विक्रम मेघवाल, गोतम शर्मा राधेश्याम जांगिड़, सचिन, मनोज जाट अजय वर्मा सुश्री विजय लक्ष्मी चारण, मोनिका निर्माण, आईना, रिना, सुमित्रा प्रजापत प्रियांस जांगिड़, सुरेन्द्र,दवेन्द्र कस्वां, अमित शर्मा, कीर्ति स्वामी, शक्ति सैनी दुनिया मेघवाल मोनू, गुरु गोविन्द, अंजू शर्मा, नीतू स्वामी, सोनू सिह, केशर देव, राजेन्द्र आदि छात्र छात्राओ ने भाग लिया ।

श्रीगंगानगर में अन्नपूर्णा रसोई योजना-ग्रामीण की समीक्षा जिला स्तरीय समन्वय

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समन्वय एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अन्नपूर्णा रसोई योजना-ग्रामीण की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार, सभी चिह्नित ग्रामीण कस्बों में श्रीअन्नपूर्णा रसोईयों का संचालन राजस्थान ग्रामीण आजीविका परिषद (राजीविका) के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा। रसोई के लिए स्थान का चयन सार्वजनिक स्थलों जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल, मजदूरी स्थल, कच्ची बस्तियों और आश्रय स्थलों पर प्राथमिकता से किया जाना चाहिए। समिति के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद अन्नपूर्णा रसोई के संचालन की जिम्मेदारी राजीविका के सीएलएफ को सौंपी गई। इसके अंतर्गत पंचायत समिति सादुलशहर की ग्राम पंचायत लालगढ़ जाटान में नई रसोई के कार्य स्थल और उसके संचालन की समीक्षा की गई। रसोई के सफल संचालन के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। इनमें नियमित मॉनिटरिंग, रसोईयों द्वारा तैयार भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिले की नगर निकाय से नियुक्त खाद्य निरीक्षक द्वारा नियमित जांच, ग्रामीण क्षेत्र से प्राप्त बिलों का समय पर भुगतान और कृषि उपज मंडी सचिव द्वारा अच्छी गुणवत्ता का अनाज और सब्जी रियायती दरों पर उपलब्ध कराना शामिल है। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरधर, आयुक्त नगरपरिषद रविन्द्र यादव, राजीविका से विजय कुमार, कोषाधिकारी मनोज मोदी, डीएसओ कविता, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, कृषि उपज मंडी सचिव सूबे सिंह सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम का आना और बिना घोषणा चले जाना निराशाजनक: मंडेलिया

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा है कि दूसरी बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का चूरू आना और चूरू के लोगों को खाली हाथ रख देना बहुत निराशाजनक बात है। उन्होंने कहा कि चूरू के लिए मुख्यमंत्री ने यहां आकर भी कोई घोषणा नही की। इससे स्पष्ट हो जाता है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता सिर्फ इवेंट में भरोसा करते हैं विकास में उनका कोई भरोसा नहीं है। मुख्यमंत्री का इस तरह आना और हाथ झड़काकर चले जाना बहुत निराश करने वाला है। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुवे , राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा 3 माह में दूसरी बार चूरू विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री का आना और कोई बड़ी घोषणा नहीं करना, यह जनता के साथ धोखा है। आमजन उम्मीद लगाए बैठे कोई बड़ी राहत मिलने वाली है, मगर कुछ नहीं हुआ। आमजन निराश हो कर लौटा। जिले में एक मात्र भाजपा का विधायक होने के कारण ओर सांसद कांग्रेस का हैं। इसलिए शायद भाजपा इसे पचा नहीं पा रही है। मंडेलिया ने कहा पूर्व की कांग्रेस सरकार की अनेक योजनाओं से जनता लाभांवित हो रही है और नुक्कड़ चौराहों पर कांग्रेस सरकार की योजनाओं पर तारीफों की चर्चाएं होती हैं।

बूंदी और तालेड़ा में बीएलओ को दिया प्रशिक्षण

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण अभियान के तहत बूंदी तहसील सभाभवन तथा तालेड़ा में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को प्रशिक्षण दिया गया। सोमवार को बूंदी में 49 तथा तालेड़ा में 40 बीएलओ ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान, मास्टर ट्रेनर व्याख्याता मुकेश जेकवाल, ओम मीणा, कुंदनमल चौधरी और भानु राठौर ने बीएलओ को घर-घर सर्वेक्षण के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं और उनके समाधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। यह प्रशिक्षण आगामी दिनों में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए मतदाताओं से संपर्क करने के लिए उन्हें तैयार करेगा।

इस दौरान, प्रशिक्षण के व्यवस्थापक और सूचना सहायक बालकिशन मीणा ने सभी बीएलओ को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिकारियों ने भी जायजा लिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया सुचारू रूप से और प्रभावी ढंग से संपन्न हो।

कृषि विभाग की कार्रवाई तीन कीटनाशक लाइसेंस निलंबित

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शनिवार को जिले में विभिन्न आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में दिनेश कुमार जागा (संयुक्त निदेशक कृषि), डॉ. शंकर लाल जाट (उप निदेशक, उद्यान), गोपाल लाल शर्मा (कृषि अधिकारी) एवं गोपाल लाल धाकड़ (कृषि अधिकारी) शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम पालका स्थित कृष्णा खाद बीज भण्डार में अनियमितताएं पाई गईं, जिस पर तत्काल प्रभाव से डीएपी उर्वरक की बिक्री पर रोक लगाते हुए प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार, कनेरा क्षेत्र में महादेव बीज भण्डार, खाटू श्याम ट्रेडिंग कम्पनी तथा लक्ष्मी कृषि सेवा केन्द्र पर मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं किया गया था, स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण पाए गए तथा बिल बुक का संधारण भी नहीं किया गया। इन अनियमितताओं के आधार पर इन तीनों प्रतिष्ठानों के कीटनाशक अनुज्ञा पत्र निलंबित कर दिए गए हैं एवं उन्हें भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

विभागीय समन्वय बैठक आयोजित जनकल्याणकारी योजनाओं की

-प्रगति के लिए अतिरिक्त प्रयास आवश्यक

अजमेर,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई। संपर्क पोर्टल एवं जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण कर आमजन की समस्याओं का समाधान समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने हरियाळो राजस्थान अभियान के तहत विभिन्न विभागों को अपने लक्ष्य के अनुसार वन विभाग की नर्सरी से पौधे प्राप्त कर आगामी माह में पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने के लिए उन्हें उचित स्तर पर समझाइश की जाए। इससे राहत प्रदान की संतुष्टि प्रतिशत में सुधार आएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला स्तरीय जनसुनवाई में लंबित प्रकरणों का निस्तारण आगामी जनसुनवाई से पूर्व कर लिया जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय एवं केंद्र सरकार के पोर्टल से प्राप्त मामलों की निगरानी स्वयं जिला स्तरीय अधिकारी करें। लोक बन्धु ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि दैनिक जनसुनवाई में प्राप्त लंबित प्रकरणों के उत्तर समय पर भेजे जाएं। अंत्योदय सम्बल शिविरों की समीक्षा के दौरान उन्होंने तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर विभागीय प्रगति बढ़ाने को निर्देशित किया। उन्होंने बजट घोषणाओं से संबंधित लंबित भूमि आवंटन पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को गरीबी मुक्त गांव योजना में बीपीएल परिवारों के बैंक खातों के सत्यापन, स्वामित्व योजना में पट्टा वितरण तथा नरेगा योजना के तहत पौधारोपण के लिए गड्ढों की खुदाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को लंबित जल कनेक्शन शीघ्र जारी करने, अंतिम छोर पर जलदाब की समीक्षा करने एवं लीकेज मरम्मत का कार्य समयबद्ध रूप से संपन्न करने के निर्देश दिए। ऐसी ग्राम पंचायते जहां पूर्व में शिविर आयोजित हो चुके हैं वहां भी कार्यों की पुनः समीक्षा की जाए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को मृदा नमूना संग्रहण की संख्या बढ़ाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण और योजनाओं की जानकारी किसानों को देने के निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरण, आयुष्मान कार्ड के लिए ई-केवाईसी सत्यापन, टीबी स्क्रीनिंग बढ़ाने एवं शेष शिविरों में स्क्रीनिंग कर डेटा अपडेट करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जर्जर विद्यालय भवनों की मरम्मत, पुस्तक वितरण, फर्नीचर और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को सामाजिक पेंशन के लिए लंबित सत्यापन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं की भी समीक्षा की गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को नए परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ दिलाने, विद्युत विभाग के अधिकारियों को कुसुम योजना के सभी घटकों में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रगति करने, महिला अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को लाड़ो प्रोत्साहन योजना में बालिका जन्म को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना बनाकर लक्ष्य आधारित कार्य करने को निर्देशित किया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान 19 ग्राम पंचायतों में हुए शिविर

-केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से ग्रामीण हुए लाभांवित

जालोर,(रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में 24 जून से 9 जुलाई तक चलाए जा रहे पं.दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के दौरान मंगलवार को 19 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जाकर ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभांन्वित किया गया।

इन ग्राम पंचायतों में आयोजित हुए शिविर, योजनाओं से ग्रामीणों को किया गया लाभांवित

पखवाड़े के दौरान मंगलवार को जालोर उपखण्ड की डांगरा, आंवलोज व नरसाणा, आहोर उपखण्ड की देवकी, देबावास व नोसरा, बागोड़ा उपखण्ड की कूका व सेवड़ी, जसवंतपुरा उपखण्ड की गजापुरा व सोमता, रानीवाड़ा उपखण्ड की सेवाड़ा व मोखातरा, चितलवाना उपखण्ड की हाडेचा, साउ एवं डउकियों की ढाणी व खिरोड़ी तथा सांचौर उपखण्ड की गुन्दाउ, दांतिया, भड़वल व किलवा ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के दौरान लंबित पत्थरगढ़ी और सीमाज्ञान प्रकरण का निस्तारण, स्वामित्व पट्टों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (एनएफ़एसए) के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण एवं नवीन पात्र परिवारों एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के कार्य किए गए। वही रास्तों व जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने और कृषि विभाग द्वारा बीज वितरण, बिजली विभाग द्वारा झूलते तारों को खिंचवाने व विद्युत पोल समस्याओं का निस्तारण और वन विभाग द्वारा हरियालो राजस्थान के अन्तर्गत पौधा वितरण किया गया। शिविरों में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा, जलदाय, कृषि, वन, खाद्य, स्वास्थ्य, पशुपालन, शिक्षा, सामाजिक न्याय व अन्य विभागों की जनोपयोगी सेवाओं से ग्रामीणों को लाभांवित किया गया।

बुधवार को इन ग्राम पंचायतों में होगा शिविरों का आयोजन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत 9 जुलाई, बुधवार को जालोर उपखण्ड की बाकरा, बैरठ व बालवाड़ा, आहोर उपखण्ड की नोरवा व भाद्राजून, बागोड़ा उपखण्ड की कालेटी, जसवंतपुरा उपखण्ड की थूर व सेरणा, रानीवाड़ा उपखण्ड की धानोल, जाखड़ी व रतनपुर, चितलवाना उपखण्ड की चितलवाना व होतीगांव तथा सांचौर उपखण्ड की पहाड़पुरा, कोड़ व अचलपुर ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जिले में शुरू हुआ तीन दिवसीय ई-वेस्ट संग्रहण अभियान

-अपने खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा करवा सकेंगे लोग

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मंगलवार को जिले में ई-कचरा संग्रहण अभियान का शुभारंभ किया गया। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत एवं जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने कलेक्ट्रेट से ई-वेस्ट संग्रहण वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरूआत की।

इस अवसर पर अति. जिला कलक्टर (शहर) अनिल कुमार सिंघल एवं क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण मंडल योग्यता सिंह भी उपस्थित थी।

तीन दिवसीय यह अभियान शहर में 10 जुलाई तक चलाया जाएगा। इस दौरान अधिकृत रीसाइक्लर द्वारा प्लॉट नं. एफ.-125, मधुश्री चाय की फैक्ट्री के सामने, रोड़ नं.-5 इंद्रप्रस्थ इंडस्ट्रीयल एरिया में ई-वेस्ट संग्रहण केन्द्र स्थापित किया गया है, जहां नागरिक अपने खराब व अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कर सकेंगे।

संग्रहित ई-वेस्ट का निस्तारण पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप किया जाएगा। साथ ही, रीसाइक्लर द्वारा निर्धारित दर के अनुसार भुगतान कर ई-वेस्ट संग्रहण किया जाएगा, जिससे नागरिकों को अपने खराब व अनुपयोगी उपकरणों का उचित मूल्य भी प्राप्त हो सकेगा।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे इस अभियान में भाग लेकर ई-कचरे के सुरक्षित निस्तारण एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करें। इस संबंध में किसी भी जानकारी के लिए ई-वेस्ट रीसाइक्लर प्रतिनिधि से मो. नं. 8058521718, 8890621066 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सोनाईमांझी शिविर लीला देवी के जीवन में शिविर लाया उजाला

-पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाडा

पाली, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप चल रहे अंत्योदय संबल पखवाडा में ग्रामीणों के अनेक काम हो रहे है साथ ही प्रशासनिक कार्य के साथ शिविरों में अनेक ऐसे काम भी हो रहे है जिससे ग्रामीण लाभान्वित भी हो रहे है सरकारी काम के साथ ये शिविर कई बार सामाजिक सरोकार भी निभा रहे है। ऐसा ही वाक्या सोमवार को जिले की पाली पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मुख्यालय सीनाईमांझी पर आयोजित पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर में हुआ जिसमें आइचिया की लीला देवी पत्नी वसाराम भील के लिए ये शिविर जीवन में उजाला लेकर आया ।

ना तो पढी लिखी हूं ना ही डिमांड राशि भरने के रूपये - लीला देवी

लीला देवी ने बताया कि वे निर्धन परिवार की महिला है जिनके घर में वर्तमान तक विद्युत कनेक्शन से वंचित थी । वे शिविर में आयी और सहायक अभिन्ता प्रकाश पटेल से संपर्क किया और अपनी व्यथा बताई। उन्होंने बताया कि ना ही वे पढी लिखी है और ना ही कनेक्शन की डिमाण्ड राशि भरने के लिये रूपये है और असमर्थता जताई कि वे निर्धन है विधुत कनेक्शन को फार्म भी नही भर पायेगी और ना ही डिमांड राशि दे पायेगी। सहायक अभियंता प्रकाश पटेल ने स्वंय के स्तर से डिमांड राशि भरी , कर्तव्य परायणता व मानवता की मिसाल पेश की इस पर सहायक अभियन्ता प्रकाश पटेल जो पाली जिले के ग्रामीण क्षेत्र धोला चौतरा में पदस्थापित है शिविर में लीला देवी को सहायक अभियंता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप और जिला प्रशासन की आमजन के कार्या और समस्याओं को हल करने व लाभान्वित करने की प्रतिबद्धता कर्त्तव्यपरायणता व मानवता की मिसाल देते हुये लगभग ढाई हजार रूपये की डिमांड राशि का भुगतान स्वंय अपने स्तर से करते हुए लीला देवी के घर पर लाईट कनेक्शन हाथो हाथ जारी किया गया साथ ही उन्हें स्वामित्व योजना के तहत प्रोपर्टी कार्ड भी दिया गया। लीला देवी ये सब देखकर बेहद खुश हुयी और खुशी से आंसू छलक उठे और उसके जीवन में अब शिविर से उजियारा आ गया इससे भावुक होकर उन्होंने सभी को सरकार व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शासन प्रशासन को व सहायक अभियन्ता प्रधान मोहिनी देवी , सरपंच पूरण कंवर को बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

गोली कांड के आरोपी आफताब को चालान से पहले मिली जमानत

-अधिवक्ता फिरोज खान और अधिवक्ता संदीप शुक्ला ने की पैरवी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। थाना कोतवाली बारां ने फरियादी की रिपोर्ट पर मुक़दमा संख्या 344/2025 धारा 109(1), बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट (पुरानी धारा 307 आईपीसी,) में मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें फरियादी ने बताया था की आफताब पुत्र जाकिर हुसैन निवासी नयापुरा बारां ने गोली चलाकर जान से मारने की नीयत से फायर किया, दिनांक 25.06.2025 को पुलिस ने आरोपी आफताब को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जिसके बाद न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया, जिसकी जमानत अधिवक्ता फिरोज खान, व संदीप शुक्ला ने माननीय न्यायालय जिला एवं सेशन न्यायाधीश बारां को पेश की, जिसपर अधिवक्ता के तर्को के आधार पर गहन विचार करते हुए जमानत मंजूर की गई जिस पर दिनांक 08.07.2025 को अधिवक्ता फिरोज खान ने जमानत मुचलके मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बारां को तस्दीक कराए आदेश की पालना करते हुवे जिला कारागृह बारां ने आरोपी आफताब को रिहा किया, आरोपी आफताब की पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान व संदीप शुक्ला द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

हुसैनी छबील पर राहगीरों को पिलाया ठंडा शरबत

बारां, (रॉयल पत्रिका)। दस मोहर्रम यौमे आशुरा के दिन शहर के अंजुमन चौराहे पर रिसालत उर्फ अक्कू अंसारी, इरफान शाह, कालू कुरैशी की ओर से हुसैनी छबील लगाकर ठंडा शरबत राहगीरों ओर जायरीनों को पिलाया। अक्कू अंसारी ने बताया कि कर्बला में आने वाले ताजियों का मुख्य मार्ग होने की वजह से जायरीनों ओर राहगीरों के लिए ठंडे शरबत की छबील लगाते हैं। इस दौरान राजा फर्नीचर, मोहम्मद जुगनू, मो. सलीम, शेरू खान डीजे, अखलाक अहमद, फिरोज एमिनेंट आदि मौजूद रहे।

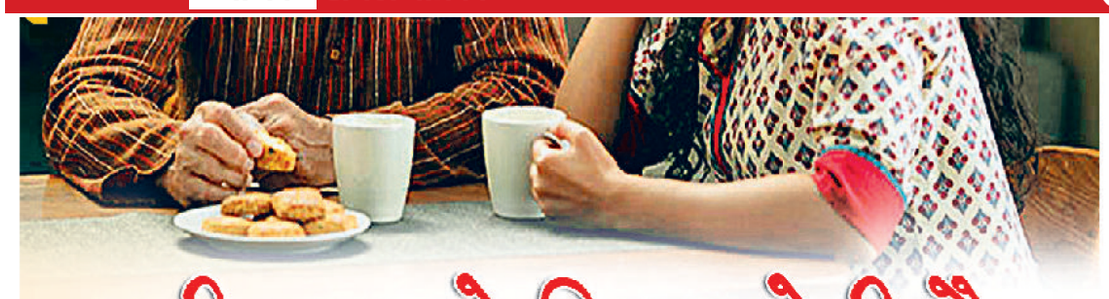

जीवन को दिशा देती है बुजुर्गों की सलाह

जीवन में जब भी आप उलझनों में फंस जाएं, समस्याओं से घिर जाएं और समझ में ना आए कि क्या करें, तो ऐसे समय में अपने बड़े-बुजुर्गों के पास जाएं, उन्हें अपनी समस्याएं बताएं, वे बहुत अपनेपन से आपकी बात सुनेंगे, समस्याओं से निकलने का रास्ता बताएंगे। उनके जीवन अनुभव आपके लिए बहुत अनमोल साबित होंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बड़ों का आशीर्वाद ही नहीं, उनकी सलाहें भी अनमोल होती हैं। छोटी हो या बड़ी, हर उलझन-समस्या में उनका मार्गदर्शन मददगार बनता है। सहज रूप से नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाता है। उनके अनुभव प्रैक्टिकली जिंदगी से मिलवाते हैं। आम-सी सलाह भी जीवन के लिए बहुत मूल्यवान होती है। बरसों जिंदगी से जूझकर जुटाए गए अनुभव और सुख-दुःख को जीते हुए सीखे अनगिनत सबक, नई जेनरेशन की जिंदगी को सही दिशा में आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अनुभव से सबक

बुजुर्गों ने अपनी जिंदगी में हर तरह के हालात से जुड़े अनुभवों को जीया होता है। सरवाइवल के सूत्रों को खुद समझा होता है। सहज हो या चुनौतीपूर्ण, परिस्थितियां बहुत से सबक सिखाकर जाती हैं। ऐसे में संचित समझ और ज्ञान की पूंजी से भरी उनकी झोली नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर सकती है। जीवन के हर पहलू पर उनसे मिली सलाह सही दिशा दिखा सकती है। रिश्तों और करियर से लेकर व्यक्तित्व विकास, सही फैसले लेने और खुद को थामने के मोर्चे पर बड़ों का दृष्टिकोण अहम होता है। जो हर जटिल परिस्थिति में जादू-सा बन मन को दिशा दे जाता है। ऐसे अनमोल सबक किताबों में नहीं मिलते। ना ही हर ओर छाई रील्स और वीडियोज जिंदगी के संघर्षों को जीकर जुटाए गए इस तजुर्बे की बराबरी कर सकते हैं।

सहजता का भाव

'लेट गो, छोड़ो, जाने दो या भूल जाओ' यह सलाह बड़ों की बातों में अवश्य शामिल होती है। असल में जीवन भर की उलझनों में अपनी ऊर्जा और समय लगा चुके बुजुर्ग इस सच को समझ चुके होते हैं कि अपने आप के प्रति भी सहजता का भाव जरूरी है। मन दुखाने वाली बातों को पकड़कर बैठ जाना असल में खुद को ही दुख देता है। ऐसी चीजों को जाने देना ही सही है। इसीलिए बड़े हमेशा समझाते हैं कि तकलीफदेह बातों को मत पकड़ो। मन में पलता द्वेष या शिकायतें, आज ही नहीं आने वाले कल में भी खुद को ही चोट पहुंचाते हैं। समय और स्थिति बदल जाती है पर मन के कोने में दबा दुख, आक्रोश या दुर्भाव सदा के लिए ठिकाना बना लेता है। हमारे बड़े-बुजुर्ग उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचने के बाद याद करते हुए कहते ही हैं कि 'मुझे यह नहीं करना था' या 'किसी अपने से दूर नहीं होना था' पीछे छोड़े जीवन में जो बातें, निर्णय या शब्द उनके लिए आज अपराधबोध का कारण बन रही हों, वे उनसे बचने की समझ का पाठ जरूर पढ़ाते हैं। इसी के चलते हर हाल में सहज रहने की सलाह देना वे कभी नहीं भूलते।

स्वास्थ्य सहेजने का सुझाव

अपने शरीर की देखभाल करने का सुझाव बड़े-बुजुर्ग बहुत गंभीरता से देते हैं। सेहत सहेजने के लिए समय रहते सजग होने का पाठ पढ़ाते हैं। अपने स्वास्थ्य की संभाल को लेकर की गई अनदेखी या किसी गलती का उदाहरण भी देते रहते हैं। वे नहीं चाहते कि नई पीढ़ी बीमारी के बारे में देर से जानने या सही समय पर अवेयर न होने की गलती करे। इसीलिए एक्टिव रहने, बुरी आदतों से बचने और नियमित जांच करवाने की सलाह बड़े-बुजुर्ग देते हैं। छोटी सी गलती का खामियाजा कितना बड़ा हो सकता है, वे देख चुके होते हैं। इसीलिए नई पीढ़ी को अपने स्वास्थ्य से जुड़ी परंपरागत चीजों की जानकारी भी देते रहते हैं। हम यह बात जोर देकर कहेंगे कि समय निकालकर अपने बुजुर्गों के पास बैठें। उनकी बातें सुनना जीवन के एक भरे-पूरे खजाने को खंगालने जैसा है। इसी खजाने से आपको जीवन जीने का सलीका सिखाने वाली सलाहों के अनमोल मोती मिलेंगे।

खुलकर जीने की सलाह

जिंदगी की आपा-धापी में जीना ही भूल जाने की गलती करने वाले युवाओं को बुजुर्ग खुलकर जीने की सलाह भी देते हैं। अच्छा-बुरा वक्त जीवन भर दस्तक देता रहता है। लोग मिलते-बिछुड़ते हैं। जिम्मेदारियां भी निभानी ही होती हैं। ऐसे में सारा वक्त फिक्र करने में नहीं लगाया जा सकता है। डरकर जिंदगी को नहीं जिया जा सकता। हमारे बड़ों ने बहुत से हालातों से गुजरने के बाद यही समझा होता है कि बात-बात में भयभीत होने का कोई अर्थ नहीं। जीवन की अपनी गति है। उसके साथ सहजता से चलते रहना ही सही तरीका है। यही कारण है कि हमारे बुजुर्ग सामाजिक-पारिवारिक माहौल से जुड़ने की सलाह भी देते हैं। भारतीय समाज में तो घर बसाने के मामले में बुजुर्गों की सलाह आज भी सबसे अहम मानी जाती है। बड़े भी अपने अनुभवों से सावधानी के साथ अपना जीवन साथी चुनने की ना केवल सलाह देते हैं बल्कि चुनाव में मदद भी करते हैं। जिसके साथ जीवन बिताना हो, उसके बारे में व्यावहारिक धरातल पर सब कुछ जानने-समझने की समझाइश देते हैं। सोशल-फैमिली फ्रंट पर आज के बदलते दौर में बड़ों की एडवाइस बहुत कारगर साबित होती है।

हर इंसान अपने करियर में कामयाब होना चाहता है। वह इसके लिए प्रयास भी करता है, लेकिन बाधाएं भी आती हैं। इन बाधाओं से कभी हताश-निराश ना हों। हम आपको बता रहे हैं, बाधा को दूर करने के लिए आप कौन से कारगर उपाय अपनाएं।

ऐसे दूर करें बाधाएं सफलताएं चूमेंगी कदम

सक्सेस फंडा

शिखर चंद जैन

कई बार आप जब कुछ करने वाली होती हैं तो आपका मन विचलित हो जाता है, काम से ध्यान हट जाता है, काम आगे नहीं बढ़ पाता। आपकी मानसिक स्थिति आपको आगे नहीं बढ़ने देती। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो ध्यान दीजिए और कुछ सामान्य उपाय अपनाइए ताकि बाधाएं दूर हों। आपका काम सुचारु रूप से आगे बढ़े। आप सफलता अर्जित करें।

जब काम में ना लगे मनः कई बार जब हम कोई काम शुरू करते हैं तो हमारा मन नहीं लगता, ऊब-सी होती है या मन इधर-उधर भटकता है। ऐसी स्थिति में आप सबसे पहले वह काम शुरू करें, जिसमें आपकी रुचि ज्यादा हो। इस काम को पूरा होने का दृढ़ संकल्प लें। इससे आपके मन में एक नई ऊर्जा जागृत होगी।

आत्मानुशासन है जरूरीः जीवन में बाधाएं आपको पग-पग पर मिलेंगी। आप उन पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया और अपने मन पर अवश्य नियंत्रण रख सकती हैं। लाइफ में सेल्फ डिसीप्लीन भी जरूरी है। आपकी इच्छा शक्ति इतनी प्रबल होनी चाहिए कि अगर कुछ करने की योजना बना ली है तो उसे किसी भी कीमत पर टालना नहीं है।

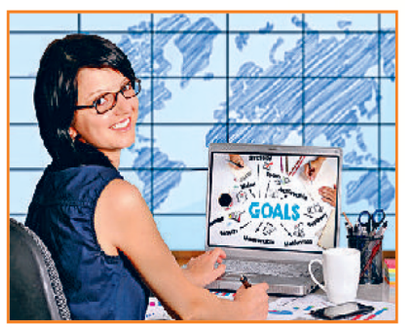

योजना और लक्ष्य के साथ बढ़ेंः बिना योजना बनाए और बिना किसी लक्ष्य के आगे बढ़ना ऐसा ही है, जैसे ट्रेन में बैठ गए लेकिन पता नहीं है कि पहुंचना कहां है? जाहिर है, आपको अपने टारगेट का पता नहीं होगा तो आपका ध्यान इधर-उधर भटकेगा ही। वहीं जब आप योजना और लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगी तो आपको अपने एक-एक कदम की जानकारी रहेगी कि आप क्या कर रही हैं और आगे क्या करना है? ऐसे में आपका ध्यान पूरी तरह अपने काम पर केंद्रित रहेगा। अगर बाधाएं आती भी हैं तो आप उन्हें पार करती चली जाएंगी।

लोगों से लें सलाहः समस्याएं और बाधाओं के आने पर कभी घबराएं नहीं, संयत रहें। अपने आस-पास मौजूद अनुभवी लोगों, इष्ट मित्रों या परिजनों की सलाह और मदद लें। उन्हें अपनी स्थिति और समस्याओं के बारे में बताएं और उन्हें सुलझाने का उपाय पूछें। कई बार जब आप विभिन्न लोगों से राय लेती हैं तो उनकी राय भले पसंद ना आए, लेकिन उनके आधार पर आपके दिमाग में कोई नया आइडिया आ सकता है।

नए तरीके आजमाएंः कई बार जब हम लगातार अड़चनों से घिरने लगते हैं, अपने काम से संतुष्ट नहीं होते तो एंजायटी और सेल्फ डाउट हम पर हावी हो जाता है। ऐसी स्थिति में हम अंतर्मुखी होने लगते हैं। छोटी-छोटी बाधाएं भी हमें बड़ी लगने लगती हैं। नतीजतन हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से डरने लगते हैं। ऐसे में हमें जीने और काम करने के नए तरीके आजमाने चाहिए।

व्यवधान वाले लोगों से दूरीः हम सबके जीवन में कुछ लोग ऐसे आ जाते हैं, जो व्यवधान, कलह और अशांति पैदा करते हैं। ऐसे लोगों को शीघ्र पहचान लें। अनसपोर्टिव और हमेशा डिस्टर्ब करने वाली रिलेशनशिप से जल्द से जल्द दूरी बना लें। यदि ऐसे लोग काफी नजदीकी रिश्तेदार हैं तो उनके साथ बहुत औपचारिक संबंध रखें।

विश्वास रखेंः हम लक्ष्य तय करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो कई प्रकार के व्यवधान आते ही हैं। किसी कारणवश ठिठकना या रुकना पड़ जाए तो घबराना नहीं चाहिए। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई कहते हैं, 'बाधाएं लक्ष्य प्राप्ति की प्रक्रिया का नैसर्गिक हिस्सा हैं। कई बार हमें अपने कामों के लिए दूसरों पर भी निर्भर होना पड़ता है। ऐसे में आपको उन पर भरोसा रखना होता है। साथ ही खुद पर भी भरोसा रखें।' अपनी बेहतरीन कोशिश करते समय याद रखें कि दुनिया आपके प्रदर्शन, कार्य-कौशल और जुनून को देख रही है। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, आपकी कामयाबी की राहें खुलती जाएंगी।

पहले बच्चे के बाद दूसरे बच्चे के जन्म होने पर दोनों नन्हे बच्चों का लालन-पालन मां के लिए आसान नहीं होता है। पहला बच्चा दूसरे के जन्म के बाद अपने आपको इग्नोर ना समझे, दोनों की परवरिश सही ढंग से हो, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सेकेंड बेबी के आने पर बड़े को ना करें इग्नोर

परवरिश

दीपिका शर्मा

अकसर यह देखा जाता है, सेकेंड बेबी के आने पर पैरेंट्स अपने बड़े बच्चे की परवरिश में लापरवाही बरतने लगते हैं, वे पूरा ध्यान सेकेंड बेबी पर लगा लेते हैं। समय से पहले ही बड़े बच्चे को बड़ा होने का एहसास दिलाने लगते है, इस कारण बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है, इसलिए जरूरी है कि बच्चे की सही परवरिश पर ध्यान दें। अगर आप दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रहे हैं तो भी या आप दो बच्चों के पैरेंट्स हैं तो भी ऐसी गलतियां करने से बचें ताकि पहले बच्चे के मन में अपने सिबलिंग के लिए ईर्ष्या की भावना ना पैदा हो, अपने माता-पिता के प्रति उसके मन में नकारात्मक भाव जन्म ना लें।

बड़ा होने का ना दें दबावः अधिकतर पैरेंट्स में मां ही बच्चों के साथ अधिक समय बिताती है। ऐसे में पहले बच्चे को बात-बात पर यह दबाव ना डालें कि वह छोटे बेबी के आने से बड़ा हो गया है, क्योंकि इससे बच्चे अपने आने वाले छोटे भाई-बहन के सामने खुद को इग्नोर-इंसिक्योर समझने लगते हैं।

डालें शेयरिंग-केयरिंग की आदतः सेकेंड प्रेग्नेंसी की शुरुआत से ही बड़े बच्चे में धीरे-धीरे शेयरिंग और केयरिंग की आदत डेवलप करना शुरू कर दें, क्योंकि अगर दूसरे बच्चे के आने के बाद पहले बच्चे की चीजें आप साझा करेंगी तो बच्चे के मन में यह बात आएगी कि वह अपने मम्मी-पापा के लिए इंपॉर्टेंस नहीं रखता, नया बेबी अब ज्यादा प्यारा है, ज्यादा इंपॉर्टेंस रखता है। इससे बच्चे में हीन भावना उत्पन्न होने लगेगी।

बड़े बच्चे के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएंः माना कि घर में छोटा बच्चा है तो मां को बहुत से काम होते हैं, इस कारण वह बड़े बच्चे पर पूरा ध्यान नहीं दे पाती, लेकिन आपकी यह गलती बच्चे के मन में घर कर सकती है। उसके मन में हमेशा यही भाव रहता है कि मुझे कोई प्यार नहीं करता। वह घरवालों से कटने लगता है। उसे मूड स्विंग की भी परेशानी होने लगती है, इसलिए जरूरी है कि बड़े बच्चे के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएं, उसके साथ हंसी-मजाक करें, उसके साथ थोड़ा खेलें, उसे

सोने के समय कोई छोटी-सी कहानी सुनाएं और जागते समय दुलार करें। उसे एहसास दिलाएं कि आप उसको भी बहुत प्यार करती हैं।

छोटे की गलती पर बड़े को ना डांटेंः कई बार मांएं, छोटे बच्चे के साथ खेलने या उसका ध्यान रखने की जिम्मेदारी बड़े को दे देती हैं और अगर उससे कोई भूल हो जाती है तो उसे डांटने लगती हैं। ऐसा करने से बड़ा बच्चा भावनात्मक रूप से बिल्कुल अकेला महसूस करता है। इसलिए कोई गलती करने पर भी बड़े बच्चे को डांटने या झिड़कने के बजाय जहां तक हो सके उसे प्यार से ही समझाएं।

बड़े बच्चे के जन्म के समय की यादें बताएंः जिस तरह आप अपने छोटे बेबी की केयर से जुड़े ढेरों काम करती हैं, इसी तरह आप बड़े बच्चे के भी काम उसके जन्म के समय करती थीं, इन बातों को उसे बताएं। उसकी शैतानियां या कैसे वो खाता था, इस तरह की छोटी-छोटी बातें उसके साथ साझा करें। इससे वो समझ पाएगा कि उसके छोटे भाई या बहन के लिए भी मां की केयर बहुत जरूरी है।

बड़े बच्चे को प्रोत्साहित करें: बच्चा अगर आपसे अपनी कोई बात कहना चाहता है तो उसकी सुनें या उसने कोई अच्छा काम किया है तो तारीफ कर प्रोत्साहित करें।

बारिश के दिनों में ऐसा हो मेकअप

मेकअप

सरिता गुप्ता

बारिश के दिनों में उमस और चिपचिपाहट के कारण मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप इन दिनों वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स का ही यूज करें। ये मेकअप प्रोडक्ट्स आपके मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग रखते हैं। इसके साथ ही हम आपको यहां कुछ ऐसे मेकअप टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बारिश के मौसम में भी खूबसूरत और फ्रेश नजर आएंगी।

प्राइमर-फाउंडेशनः इस मौसम में एक स्मूद मेकअप बेस बनाने और एक्सेस ऑयल को मैनेज करने में मदद करने के लिए मेकअप से पहले मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं। यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही वाटरप्रूफ फाउंडेशन का यूज करें, जो आपकी स्किन पर पसीना नहीं आने देगा। ऐसा करने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और आपको फ्रेश लुक मिलेगा।

सेमी-मैट फिनिश लिपस्टिकः बरसात के मौसम में आप सेमी-मैट फिनिश लिपस्टिक का चुनाव कर सकती हैं। इससे आपके होंठ रूखे नहीं लगेंगे। इसके अलावा आप अपनी पसंद के शेड में स्मज-प्रूफ और लंबे समय तक टिकने वाला लिप लाइनर चुनें। फिर होंठों पर टिंट या टिंटेड लिप बाम लगाएं ताकि होंठ मॉश्यचराइज रहे और लिप मेकअप पानी में बहे नहीं।

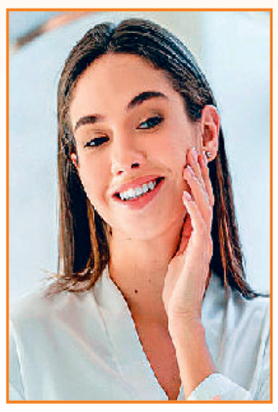

आई मेकअप प्रोडक्ट्सः इस मौसम में हमेशा आई मेकअप के लिए वाटरप्रूफ प्रोडक्ट्स का ही यूज करें। सबसे पहले इसकी शुरुआत वाटरप्रूफ मस्कारा से करें, जिसे लगाने के बाद बारिश में भीगने पर भी आपकी आंखों की खूबसूरती बिल्कुल कम नहीं होगी। साथ ही आप काजल या आई लाइनर भी वाटरप्रूफ ही लगाएं।

सेटिंग पावडरः बारिश के मौसम में, मेकअप से पहले और बाद में चेहरा ऑयली नजर आने लगता है। लेकिन जब आप सेटिंग पावडर से उसे सेट कर देती हैं तो मेकअप एकदम मैट लुक देता है और फ्लॉलेस नजर आता है। यह मेकअप को इस मौसम में मेल्ट होने से बचाता है, इसलिए सेटिंग पावडर को अपनी मेकअप किट में जरूर शामिल करें।

सेटिंग स्प्रे का इस्तेमालः मेकअप करने के सबसे बाद में मेकअप को लॉक करने के लिए सेटिंग स्प्रे अप्लाई करें। ये प्रोडक्ट ऐसा होना चाहिए, जो मै ट - फि नि श लुक प्रदान करता हो और लंबे समय तक चलने वाला फार्मूला डिजाइन किया गया हो। इससे आपके मेकअप को नमी झेलने में मदद मिलेगी और आप लंबे समय तक फ्रेश नजर आएंगी।

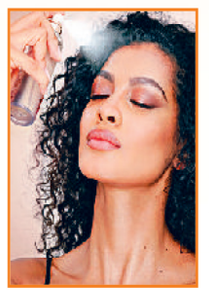

(मेकअप एक्सपर्ट रक्षा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

बारिश के मौसम में अनेक संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए अपनी डाइट को लेकर एलर्ट रहना चाहिए। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे फल, सब्जियों के बारे में, जिन्हें इस दौरान खाने से बचना चाहिए।

रेनी सीजन में इन्हें ना करें अपनी डाइट में शामिल

डाइट

राजकुमार 'दिनकर'

बारिश के दिनों में ज्यादातर लोग खान-पान में लापरवाही बरतने के कारण ही बीमार पड़ते हैं। यही वजह है कि इन दिनों डॉक्टर भी खाने-पीने में परहेज बरतने की सलाह देते हैं। इन दिनों विटामिन और मिनरल से भरपूर सब्जियां भी खराब मौसम के कारण हमारे लिए नुकसानदेह साबित होने लगती हैं, क्योंकि कई ऐसी सब्जियां होती हैं, जिनमें बैक्टीरिया बहुत तेज गति से बढ़ने लगते हैं और अगर हम उनका सेवन कर लेते हैं, तो वे हमारे लिए पाचन और पेट संबंधी समस्याओं का कारण बन जाती हैं। विभिन्न हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार हम आपको बता रहे हैं कि इस मौसम में कौन से ऐसे फल और सब्जियां हैं, जो जल्दी खराब होती हैं इसलिए इन्हें खाने से परहेज करना चाहिए।

हरी सब्जियांः बारिश के दिनों में पालक, मेथी, विभिन्न तरह के साग, धनिया, पुदीना, सलाद पत्ता जैसी हरी सब्जियों में ज्यादा नमी होने से बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं और पाचन संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इनमें से कई सब्जियों में तो बारिश के दिनों में कीड़े भी पैदा हो जाते हैं। खेतों में पानी भरने के कारण इनमें गंदगी लग जाती है और इन्हें हम कितना भी साफ कर लें, इनमें बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। इसलिए बारिश के दिनों में हरी सब्जियां खाने से खास परहेज बरतना चाहिए।

अंकुरित अनाजः जैसा हम जानते हैं, किसी भी तरह के अनाज को अंकुरित करने के लिए पहले उसे 8-10 घंटे भिगोया जाता है और फिर उसके बाद उसे अंकुरित करने के लिए रखा जाता है। इस सारी प्रक्रिया में लंबे समय तक पानी या नमी के संपर्क में रहने के कारण और वातावरण में नमी होने के कारण अंकुरित अनाज जल्दी सड़ने लगते हैं। इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। इनको अगर कच्चा खाया जाता है तो इनसे इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। इसलिए इस मौसम में अंकुरित अनाज थोड़ा पकाकर खाएं।

मशरूमः बारिश के मौसम में मशरूम खाने से परहेज करना चाहिए। मशरूम को नमी वाले वातावरण में उगाया जाता है। इसमें पहले ही बैक्टीरिया होते हैं। नमी के कारण यह जल्दी खराब होने लगते हैं। इन्हें खाने पर डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

दही-छाछः बरसात के मौसम में लगातार दही और छाछ का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं। आयुर्वेद में तो दही को बरसात के मौसम में खाने की मनाही होती है। क्योंकि यह पाचन संबंधी समस्या पैदा कर सकते हैं।

सलादः सलाद में इस्तेमाल होने वाले खीरे, गाजर, मूली, चुकंदर जैसी कच्ची चीजों में कीड़े होने की आशंका रहती है। भले ही यह दिखने में खराब न लगें, लेकिन अंदर से खराब होने के कारण इन्हें खाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

सीफूड-मछलीः मानसून के दौरान मछली या प्रॉन खाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह समय उनके प्रजनन का होता है और इससे फूड पॉइजनिंग होने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में नदियों और झीलों में पानी प्रदूषित होने से मछलियों के शरीर के ऊपर गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में इन मछलियों का सेवन करने से सेहत को भी नुकसान हो सकता है।

हरियाणा मुक्केबाजी संघ ने दी भारतीय मुक्केबाजी टीम को वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर बधाई

संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल बोले, भारतीय मुक्केबाजी नए युग में प्रवेश कर चुकी

▶▶ कजाकिस्तान की राजधानी आस्ताना में 30 जून से 6 जुलाई तक हुई प्रतियोगिता ▶▶ खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया ▶▶ सभी पदक विजेताओं और उनकी मेहनत में भागीदार कोचों को विशेष बधाई

कजाकिस्तान की राजधानी आस्ताना में 30 जून से 6 जुलाई 2025 तक आयोजित वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में भारतीय मुक्केबाजी टीम ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हरियाणा मुक्केबाजी संघ की ओर से सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी दल को दिल से बधाई दी गई है हरियाणा मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने इस ऐतिहासिक सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय मुक्केबाजी एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। खिलाड़ियों ने न केवल जीत हासिल की बल्कि पूरे देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। उन्होंने सभी पदक विजेताओं और उनकी मेहनत में भागीदार कोचों को भी विशेष बधाई दी।

इन्होंने जीते पदक

▶▶ **गोल्ड विजेता:** साक्षी (भिवानी), जैस्मिन लाम्बोरिया (भिवानी), नूपुर श्योराण (भिवानी)
▶▶ **सिल्वर विजेता:** मीनाक्षी हुड्डा (रोहतक) व पूजा (भिवानी)
▶▶ **सिल्वर विजेता, पुरुष वर्ग:** हितेश गुलिया (झज्जर), जुगनू (भिवानी)
▶▶ **कांस्य विजेता:** नरेंद्र बेरवाल (हिसार)

आत्मविश्वास से हासिल कर सकते हैं मुकाम

हरियाणा मुक्केबाजी संघ के महासचिव रविंद्र पन्नू, खजांची प्रवीर गहलोत, और डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन ओमबीर हुड्डा संदीप मोर महासचिव जिला बॉक्सिंग रोहतक ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सभी खिलाड़ियों, कोचों और सपोर्टिंग स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुक्केबाजों ने एक बार फिर दिखा दिया कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

कोचों और खेल स्टाफ को सलाम

इस उपलब्धि के पीछे खिलाड़ियों के कोचों की मेहनत, रणनीति और निरंतर मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मेजर सतपाल संधू जी ने सभी जिला इकाइयों, प्रशिक्षकों और सपोर्ट स्टाफ की सराहना करते हुए कहा कि इस जीत में हर इकाई की भागीदारी है।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया का विशेष धन्यवाद

हरियाणा मुक्केबाजी संघ ने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) को भी इस पूरी प्रतियोगिता के कुशल आयोजन और भारतीय टीम के लिए उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं के लिए धन्यवाद दिया। अध्यक्ष मेजर संधू जी ने कहा कि बीएफआई की दूरदर्शिता और खिलाड़ियों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता ही इस सफलता का आधार है। यह गौरव का क्षण सिर्फ खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, पूरे देश और विशेष रूप से हरियाणा के लिए अत्यंत गर्व का विषय है हरियाणा मुक्केबाजी संघ भविष्य में भी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, विकास और सफलता के लिए इसी प्रकार प्रतिबद्ध रहेगा। जय हिंद! जय बॉक्सिंग!

खबर संक्षेप

आईसीसी से नए सीईओ बने संजोग गुप्ता

दुबई। भारतीय मीडिया दिग्गज संजोग गुप्ता को जय शाह की अगुआई वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया। वह आस्ट्रेलिया के ज्योफ एलार्डिस की जगह लेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में चैंपियंस ट्रॉफी से पहले निजी कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अभी तक जियोस्टार में सीईओ (खेल) के रूप में कार्यरत रहे गुप्ता तत्काल प्रभाव से अपनी नई भूमिका का कार्यभार संभालेंगे।

डीपीएल में आमने-सामने होगा कोहली का भतीजा और सहवाग का बेटा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सत्र में दो हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों विराट कोहली के भतीजे आर्यवीर कोहली और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग का जलवा देखने को मिल सकता है। इन दोनों को रविवार को हुई नीलामी के दौरान अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों ने खरीदा। उभरते हुए लेग-स्पिनर आर्यवीर कोहली विराट के बड़े भाई विकास के बेटे हैं, जिन्हें साउथ दिल्ली सुपरस्टारज ने खरीदा। इस टीम में लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में शुमार लेग-स्पिनर दिग्वेश राठी (38 लाख रुपये) भी शामिल हैं।

एलेक्स डि मिनोर को हराकर जोकोविच क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

लंदन। नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए सोमवार को यहां 11वें वरीय एलेक्स डि मिनोर को चार सेट में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के चौथे दौर में जगह बनाई। छठे वरीय जोकोविच पर 2016 से विंबलडन में सबसे जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन उन्होंने खराब शुरुआत से उबरकर डि मिनोर को 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। आठ बार के विंबलडन चैंपियन रोजर फेडरर भी जोकोविच के इस मुकाबले को देखने के लिए रॉयल बॉक्स में मौजूद थे। हालांकि 38 साल के जोकोविच की शुरुआत खराब रही और उन्होंने बेहद एकतरफा पहला सेट गंवा दिया। जोकोविच ने इसके बाद वापसी करते हुए अगले दो सेट जीतकर 2-1 की बढ़त बनाई।

मुल्डर बने टेस्ट में तीसरा शतक लगाने वाले सबसे युवा कप्तान, रचा इतिहास

दक्षिण अफ्रीका-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज

वियान ने लारा के सम्मान में 400 रन से पहले पारी घोषित की

एजेंसी ▶▶ बुलावायो

दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर ने कहा कि उन्होंने ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के रिकॉर्ड के करीब होने के बावजूद पारी घोषित करने का फैसला किया क्योंकि उनका मानना है कि वेस्टइंडीज के दिग्गज 'रिकॉर्ड बनाए रखने के हकदार हैं'। मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन नाबाद 367 रन की पारी खेली लेकिन टीम की पारी को 626 रन पर घोषित कर दिया जबकि वह लारा के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 34 रन पीछे थे। मुल्डर ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, ''सबसे पहले मुझे लगा कि हमारे पास पर्याप्त रन हैं और हमें गेंदबाजी करने की जरूरत है। दूसरा, ब्रायन लारा एक दिग्गज हैं। उनके कद का व्यक्ति यह रिकॉर्ड बनाए रखने का हकदार है।'' उन्होंने कहा, ''अगर मुझे दोबारा ऐसा करने का मौका मिला तो मैं बिल्कुल ऐसा की करूंगा। मैंने शुक्स (शुकरी कॉनराड) से बात की और उन्हें भी ऐसा ही लगा।

तिहरा शतक जड़ने वाले अफ्रीका के दूसरे क्रिकेटर

भारत के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सबसे तेज 300 रन का रिकॉर्ड बनाया था, जिन्होंने 2008 में चेन्नई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 278 गेंदों पर 300 रन ठोक दिए थे। मुल्डर ने पिछले साल मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ हैरी ब्रूक के 310 गेंदों में बनाए गए तिहरे शतक को पीछे छोड़ते हुए चार्ट में दूसरा स्थान हासिल किया। साउथ अफ्रीका के लिए अपना 21वां टेस्ट खेल रहे मुल्डर तिहरा शतक जड़ने वाले साउथ अफ्रीका के तीसरे खिलाड़ी बने। हाशिम अमला पहले ऐसा क्रिकेटर थे।

300 रन बनाने वाले सबसे युवा कप्तान

25 वर्षीय भारत के कप्तान शुभमन गिल इस सप्ताह एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ 269 रन पर आउट होकर रिकॉर्ड बनाने से चूक गए। मुल्डर 61 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए तिहरा शतक बनाने वाले सबसे युवा टेस्ट कप्तान बन गए। 27 वर्ष और 138 दिन की उम्र में मुल्डर ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान बॉब सिम्पसन (28 वर्ष 171 दिन) को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1964 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 311 रन बनाए थे।

सबसे तेज तिहरा शतक

278 गेंद	वीरेंद्र सहवाग,	भारत बनाम साउथ अफ्रीका–चेन्नई 2008
297 गेंद	वियान मुल्डर,	द.अफ्रीका बनाम जिम्बाब्वे–बुलावायो 2025
310 गेंद	हैरी ब्रूक,	इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान–मुल्तान 2024
362 गेंद	मैथ्यू हेडन,	ऑस्ट्रेलिया बनाम जिम्बाब्वे–पर्थ 2003

टेस्ट मैचों में तिहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा कप्तान

27 वर्ष 138 दिन	वियान मुल्डर (300*),	साउथ अफ्रीका बनाम जिम्बाब्वे–बुलावायो 2025
28 वर्ष 171 दिन	बॉब सिम्पसन (311),	ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड–मैनचेस्टर 1964
29 वर्ष 61 दिन	महेला जयवर्धने (374),	श्रीलंका बनाम साउथ अफ्रीका–कोलंबो 2006
30 वर्ष 276 दिन	माइकल क्लार्क (329*),	ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत–सिडनी 2012

कुश्ती

अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप टीम में चुने गए छह पदक विजेता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एशियाई चैंपियनशिप के छह पदक विजेताओं ने सोमवार को चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर 17 विश्व चैंपियनशिप के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने ट्रायल्स को हाल ही में आयोजित अंडर-17 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित कर दिया था, जिसके कारण प्रत्येक 10 वर्ग में केवल सर्वश्रेष्ठ पहलवानों ने ही प्रतिस्पर्धा की, जिससे मुकाबलों की संख्या सीमित हो गई। हरियाणा की रचना परमार (43 किग्रा), दिल्ली की मोनी (57 किग्रा), राजस्थान की अश्विनी वैष्णो (65 किग्रा) और हरियाणा की मनीषा (69 किग्रा), अपने-अपने वर्ग में विजेता बनीं। इन सभी ने वियतनाम में एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। ट्रायल में जीत दर्ज करके भारतीय टीम में जगह बनाने वाली अन्य खिलाड़ियों में उत्तर प्रदेश की प्रीति (40 किग्रा), कशिश (46 किग्रा), कोमल (49 किग्रा), यशिता (61 किग्रा) और काजल (73 किग्रा) शामिल हैं।

डूरंड कप: 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाईटेड एफसी में की भिड़ंत

कोलकाता। ईस्ट बंगाल डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के 134वें सत्र के पहले मैच में 23 जुलाई को विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में बेंगलुरु के साउथ यूनाईटेड एफसी से भिड़ेगा। टूर्नामेंट के दौरान छह शहरों में 43 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का फाइनल 23 अगस्त को होगा। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही 24 टीम को चार-चार टीम के छह समूह में बांटा गया है। प्रत्येक टीम ग्रुप चरण में एक बार अन्य तीन टीम से भिड़ेगी। छह ग्रुप विजेता और दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी जो 16 और 17 अगस्त को खेले जाएंगे।

एशियाई जूनियर और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की तैयारी में जुटी तन्वी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन की उभरती खिलाड़ी तन्वी शर्मा भविष्य में बीडब्ल्यूएफ के बड़े टूर्नामेंटों में दमदार प्रदर्शन करने के लिए नेट के बेहतर इस्तेमाल और खेल की गति को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है लेकिन उसका तात्कालिक लक्ष्य इस साल एशियाई जूनियर और विश्व जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतना है। पंजाब की 16 वर्षीय तन्वी पिछले महीने यूएस ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहकर बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं। तन्वी ने कहा, 'यह मेरे लिए एक अद्भुत सप्ताह था। मैं

इससे खुश हूं लेकिन अब मैं अपने दूसरे टूर्नामेंटों पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। मुझे 500 और 750 स्तर की स्पर्धाओं में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट (यूएस ओपन) में मेरा खेल बहुत आक्रामक था। मेरी 'मूवमेंट' बहुत तेज थी और मेरे 'स्मैश' बहुत अच्छे थे।

विश्व मुक्केबाजी ने बीएफआई की अंतरिम समिति का कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ाया

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी प्रशासन में पारदर्शिता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों से प्रभावित होकर विश्व मुक्केबाजी ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की अंतरिम समिति का कार्यकाल 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। अजय सिंह की अध्यक्षता वाली अंतरिम समिति को इस साल अप्रैल में भारत में मुक्केबाजी के दिन-प्रतिदिन के मामलों का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया गया था। नियुक्ति के बाद से समिति ने अपने शुरुआती 90 दिवसीय कार्यकाल के दौरान 'खिलाड़ी पहले' दृष्टिकोण को अपनाते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप और उसके बाद सभी आयु समूहों (अंडर-15, अंडर-17 और एलीट) में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए हैं।

अंडर-19: शृंखला जीत चुकी भारतीय टीम इंग्लैंड से सात विकेट से हारी

भाषा ▶▶ वॉर्सेस्ट

भारतीय अंडर-19 टीम सोमवार को यहां पांचवें युवा वनडे मैच में इंग्लैंड अंडर-19 से सात विकेट से हार गयी। भारत ने हालांकि शनिवार को चौथा मैच 55 रन से जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद नौ विकेट पर 210 रन बनाए। इंग्लैंड ने इस लक्ष्य को 113 गेंदें शेष रहते हुए आसानी से हासिल कर लिया। भारत की शुरुआत खराब रही। कप्तान आयुष म्हात्रे (1) और विहान मल्होत्रा (1) तीन ओवर के अंदर ही आउट हो गए। उस समय स्कोर सिर्फ नौ रन था। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी (42 गेंदों में 33 रन) अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने राहुल कुमार (21) के साथ मिलकर 51 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। यह साझेदारी खतरनाक होती उससे पहले ही सूर्यवंशी तीन चौके और दो छक्के लगाने के बाद सेबस्टियन मॉर्गन की गेंद पर एलेक्स ग्रीन को कैच देकर आउट हो गये। राहुल कुमार भी ज्यादा देर टिक नहीं पाए और ग्रीन की गेंद पर बीजे डॉकिन्स को कैच थमा बैठे। विकेटकीपर हरवंश पंगालिया (24), कनिष्क चौहान (24) और दीपेश देवेंद्रन (0) लगातार अंतराल विकेट गंवाते रहे। आरएस अंबरीश ने 81 गेंदों में छह चौकों की मदद से जुझारू 66 रन बनाकर एक छोर संभाले रखा और टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। इंग्लैंड ने बेन मेयस के नाबाद 82, बीजे डॉकिन्स के 66 और कप्तान थॉमस रेव के 37 गेंदों में नाबाद 49 रनों की मदद से लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। मेयस ने अपनी 76 गेंदों की पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया, जबकि डॉकिन्स ने अपनी 53 गेंदों की पारी में नौ चौके और तीन छक्के जड़े। भारत के लिए लेग-स्पिनर नमन पुष्पक ने 65 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि दीपेश देवेंद्रन ने अपने सात ओवरों में 34 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

मनु दो स्पर्धाओं में साधेंगी निशाना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर कजाकिस्तान के श्यामकेंट में 16 से 30 अगस्त तक होने वाली 16वीं एशियाई चैम्पियनशिप के लिए सोमवार को घोषित 35 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल एकमात्र ऐसी निशानेबाज हैं, जो दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाग लेगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की ओर से घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में यहां होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं, जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी। एनआरएआई ने चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। यह प्रतियोगिता 7 से 15 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 सदस्य हैं, जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। एनआरएआई द्वारा घोषित दो 36 सदस्यीय जूनियर टीमों में ओलंपियन रायजा ढिल्लों ही एकमात्र बदलाव है। उन्हें मानसी रघुवंशी की जगह दिल्ली विश्व कप जूनियर महिला स्कीट टीम में शामिल किया गया है।

एशियाई चैंपियनशिप के लिए निशानेबाजी टीम में हुआ चयन

स्वप्निल और राही ने टीम में बनाई जगह

सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), सौरभ चौधरी (पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल) और केनान चेनाई (पुरुष ट्रैप) शामिल हैं। ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल), मेहुली घोष (एयर राइफल) और किरण अंकुश जाधव (एयर राइफल) दोनों सीनियर टीम में हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत को निंगबो जाने वाली टीम में जगह मिली है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर एअर इंडिया ने PAC को सौंपी रिपोर्ट

-कहा- ड्रीमलाइनर दुनिया के सबसे सुरक्षित विमानों में से एक

दिल्ली। अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI 171 के भीषण हादसे के बाद एअर इंडिया ने पब्लिक अकाउंट्स कमेटी (PAC) को रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रीमलाइनर विमान दुनिया के सबसे सुरक्षित विमानों में शामिल हैं, और दुनियाभर में इनकी हजार से ज्यादा फ्लाइट्स सुरक्षित तरीके से संचालित हो रही हैं।

ड्रीमलाइनर पर एअर इंडिया का भरोसा बरकरार

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, PAC की बैठक में एअर इंडिया ने ड्रीमलाइनर विमानों की विश्वसनीयता और सुरक्षा को लेकर अपना पक्ष मजबूती से रखा। हालांकि PAC की यह बैठक एयरपोर्ट पर लेवी चार्जेस को लेकर बुलाई गई थी, लेकिन अहमदाबाद क्रैश का मुद्दा भी इसमें उठा। इस पर एयरलाइन ने कहा कि ड्रीमलाइनर में एडवांस टेक्नोलॉजी और सिक्योरिटी फीचर्स हैं, जिनकी वजह से यह विमान सुरक्षित माने जाते हैं।

AAIB ने MOCA को सौंपी प्राथमिक रिपोर्ट

वहीं, मंगलवार को इस हादसे की जांच कर रहे विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MOCA) को इस हादसे की प्राइमरी रिपोर्ट सौंप दी है। इस जांच में अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (NTSB) भी सहयोग कर रहा है ताकि हादसे की वजहों का बारीकी से पता लगाया जा सके।

कैसे हुआ था हादसा?

12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट AI 171 एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इस हादसे में 270 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। हादसे के बाद विमान में आग लग गई, और पूरी बिल्डिंग भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में सिर्फ एक यात्री ही जिंदा बच पाया, जिसका इलाज अभी जारी है।

हादसे के बाद सवाल और चिंताएं

हादसे के बाद विमान में तकनीकी खामी और पायलट एरर की आशंका को लेकर भी चर्चा हो रही है। AAIB और NTSB की संयुक्त टीम हादसे के समय के मौसम, तकनीकी स्थिति और पायलट्स की बातचीत की जांच कर रही है। वहीं, मृतकों के परिजनों ने इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है और मुआवजे की प्रक्रिया भी तेज करने की मांग की है।

एअर इंडिया का बयान महत्वपूर्ण क्यों?

एअर इंडिया का यह बयान इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि क्रैश के बाद विमान की सेफ्टी को लेकर यात्रियों में डर का माहौल है। एअर इंडिया ने स्पष्ट किया है कि ड्रीमलाइनर विमानों की मेंटेनेंस नियमित रूप से इंटरनेशनल स्टैंडर्ड पर की जाती है और यह विमान दुनिया के अन्य देशों में भी नियमित रूप से इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

आगे की कार्रवाई

अब PAC और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की रिपोर्टों के आधार पर हादसे की विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जांच के बाद यदि विमान में कोई तकनीकी खामी पाई जाती है तो विमानों की मेंटेनेंस प्रक्रिया में बदलाव किया जाएगा। इसके साथ ही पायलट ट्रेनिंग और एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को भी और मजबूत करने के उपाय किए जाएंगे।

भारत ने एंटी-सबमरीन रॉकेट सिस्टम का सफल परीक्षण किया, नौसेना की ताकत में इजाफा

दिल्ली। भारत ने स्वदेशी रक्षा क्षमता को और मजबूत करते हुए एंटी-सबमरीन रॉकेट सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण को भारतीय नौसेना के INS कवरत्ती से अंजाम दिया गया। इस सिस्टम के सफल परीक्षण से इंडियन नेवी की टेकिंग (टारगेट हिट करने की) क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई है और पनडुब्बी रोधी अभियानों में आत्मनिर्भरता को नई ताकत मिली है।

परीक्षण की जानकारी

इस एंटी-सबमरीन रॉकेट सिस्टम का परीक्षण मंगलवार सुबह अरब सागर में किया गया। इस रॉकेट सिस्टम को DRDO ने भारतीय नौसेना के साथ मिलकर विकसित किया है। यह सिस्टम एक्सटेंडेड रेंज (लंबी दूरी तक) पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है, जिससे दुश्मन की पनडुब्बियों के खतरों का तुरंत जवाब दिया जा सकेगा।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण पर DRDO, भारतीय नौसेना, डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन और टेस्टिंग में शामिल इंडस्ट्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है और इससे देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास से न केवल भारत की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी बल्कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ेगा।

भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा

यह एंटी-सबमरीन रॉकेट सिस्टम भारतीय नौसेना को समुद्र में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें तुरंत नष्ट करने में सक्षम बनाएगा। यह रॉकेट सिस्टम हाई प्रिसिजन और फास्ट रेस्पॉन्स क्षमता से लैस है, जिससे युद्ध के हालात में नौसेना की ताकत में बड़ा इजाफा होगा। इसके अलावा, यह सिस्टम पनडुब्बियों की आवाजाही को सीमित कर भारतीय समुद्री सीमा में सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा।

स्वदेशी तकनीक पर जोर

इस परीक्षण की सफलता ने फिर साबित कर दिया कि भारत स्वदेशी तकनीक से आधुनिक रक्षा उपकरण विकसित करने में सक्षम है। भारत अब तेजी से पनडुब्बी रोधी क्षमता में आत्मनिर्भर बनता जा रहा है, जिससे रक्षा आयात पर निर्भरता कम होगी और देश की रणनीतिक स्वतंत्रता को मजबूती मिलेगी।

योगी पर बनी फिल्म का एंथम सॉन्ग रिलीज: 'बाबा बैठ गया' से गूंजा भक्ति का स्वर, बैकग्राउंड में दिखी सत्ता की छाया

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बनने वाली फिल्म 'अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' का एंथम सॉन्ग 'बाबा बैठ गया' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना दो वर्जन में लॉन्च हुआ है, जिसमें एक रोमी ने गाया है और दूसरा दिनेश लाल यादव निरहुआ ने। मीत ब्रदर्स ने इसका संगीत तैयार किया है और इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने की शुरुआत परेश रावल के डायलॉग से होती है,

"रिश्तों और मर्यादाओं को प्रभु राम से और राजनीति को श्रीकृष्ण से समझो।"

गाने में एक ऐसे नेता की झलक दिखाई गई है, जो जनता की सुनता ही नहीं, बल्कि उनके लिए काम भी करता है। गाने की धुन और बीट्स सुनने वालों में जोश और ऊर्जा भर देती हैं। यह गाना मनोरंजन के साथ-साथ बदलाव, हिम्मत और जनता की ताकत की आवाज भी बनकर उभरता है।

यह फिल्म सम्राट सिनेमैटिक्स के बैनर तले ऋतु मेंगी ने प्रोड्यूस की है और निर्देशन रवींद्र गौतम ने किया है। फिल्म शांतनु गुप्ता की बेस्टसेलिंग किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' से प्रेरित है। इसमें ड्रामा, इमोशन, एक्शन और बलिदान का मिश्रण देखने को मिलेगा।

फिल्म में अनंत जोशी योगी आदित्यनाथ की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि परेश रावल गुरु महंत अवैद्यनाथ का किरदार निभा रहे हैं। दिनेश लाल यादव निरहुआ, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर और गरिमा सिंह भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'अधिकारी के डंडे में झंडा हमारा लगा है': मदन राठौड़ का गहलोत पर पलटवार, बोले- घोड़े को जैसे हांकता है, वैसे अधिकारी हांका जाता है

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अधिकारी चाहे जहां लगा दो, वह अधिकारी ही रहेगा, लेकिन उसे दिशा देने और नियंत्रण में रखने वाली सरकार होती है। राठौड़ ने कहा,

"मुझे यह शब्द नहीं बोलना चाहिए, लेकिन जैसे तगड़ा घोड़ा होता है और ऊपर बैठा आदमी उसे जैसे हांकता है, वैसे ही वह हांका जाता है। आज अधिकारी के डंडे में झंडा हमारा लगा हुआ है। कांग्रेस का झंडा निकल गया और भाजपा का झंडा लग गया तो अधिकारी हमारे हिसाब से काम कर रहे हैं।"

मदन राठौड़ भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

दरअसल, पूर्व सीएम गहलोत ने कहा था कि भजनलाल सरकार में प्रमुख पदों पर हमारे लगाए अधिकारी ही काम कर रहे हैं। इसी पर जवाब देते हुए राठौड़ ने कहा कि सरकार हमारी सही चल रही है और अधिकारियों को दिशा देने वाली सरकार होती है।

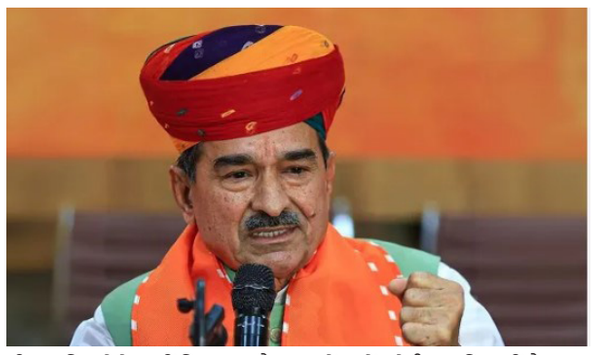

'बजरी माफिया कांग्रेस की पैदाइश'

मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि बजरी माफिया कांग्रेस की ही पैदाइश हैं। कांग्रेस की सरकार में बार-बार कहा गया था कि बजरी के ठेके दिए जाने चाहिए, लेकिन उनकी पार्टी उन्हीं माफियाओं के दम पर चल रही थी, इसलिए ठेके नहीं दिए गए और खुलेआम बजरी बिकती रही।

भजनलाल ही मुख्यमंत्री रहेंगे'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा,

"उनके चाहने न चाहने से कुछ नहीं होगा। भजनलाल शर्मा हमारे मुख्यमंत्री हैं, मुख्यमंत्री रहेंगे। गहलोत मुंगेरीलाल के सपने देखते रहें, हमें कोई आपत्ति नहीं है।"

उन्होंने कहा कि गहलोत को लगता है कि अगर वह हमला नहीं करेंगे तो कहीं उनकी जमीन न खिसक जाए, इसलिए वह हमलावर होने का स्वांग रच रहे हैं।

नगर निगम हेरिटेज ने 300 किलो अवैध मछलियां जब्त कीं

-10 दुकानें सील; व्यापारियों ने निगम कर्मचारियों से की मारपीट

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज द्वारा अवैध मीट और मछली मार्केट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की गई। निगम की पशु प्रबंधन शाखा की टीम ने सिविल लाइंस जोन में 22 गोदाम पुलिया के नीचे अवैध रूप से चल रहे मछली मार्केट में छापेमारी कर 300 किलो अवैध मछलियां जब्त कीं। इस दौरान नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रही 10 मीट और मांस की दुकानों को सील भी कर दिया गया।

नगर निगम कमिश्नर डॉ. निधि पटेल ने बताया कि 22 गोदाम पुलिया के पास अवैध रूप से मछली मार्केट चलने की शिकायत मिली थी। जांच में पाया गया कि बिना स्वास्थ्य परीक्षण और स्वीकृति के अवैध मछलियां छोटे दुकानदारों को बेची जा रही थीं। इसी के आधार पर कार्रवाई की गई है। पटेल ने कहा कि भविष्य में भी निगम हेरिटेज क्षेत्र में इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और आमजन अवैध रूप से संचालित दुकानों की जानकारी निगम को देकर सहयोग कर सकते हैं।

कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों से मारपीट

इसके बाद निगम की टीम जब कल्याण जी के रास्ते में अवैध मीट की दुकानों पर कार्रवाई करने पहुंची, तो वहां मौजूद स्थानीय व्यापारियों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान व्यापारियों ने निगम की पशु प्रबंधन शाखा के डॉक्टर योगेश शर्मा और उनके ड्राइवर के साथ मारपीट और अभद्रता की।

इसके बाद निगम कर्मचारी डॉ. योगेश शर्मा ने कोतवाली थाने में

दुकानदारों के खिलाफ राज कार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज करवाया है। निगम अधिकारियों का कहना है कि आगे भी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी ताकि शहर को स्वच्छ और सुरक्षित रखा जा सके।

कर्नाटक में ढाई साल वाला फार्मूला अटका: CM बदलने की अटकलें, सिद्धारमैया-शिवकुमार में खींचतान

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्ता संभाले कांग्रेस सरकार को एक साल पूरा हो चुका है, लेकिन अब ढाई साल के फार्मूले पर खींचतान और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेजी से तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संतुलन बनाए रखने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने जो समझौता किया था, वही अब विवाद का कारण बन गया है। साथ ही, यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बेटे प्रियांक खड़गे को मुख्यमंत्री बनवाना चाहते हैं। 2 जुलाई को बेंगलुरु के नंदी हिल्स में कर्नाटक के CM सिद्धारमैया का बयान सरकार के अंदर चल रहे तूफान को शांत करने की कोशिश थी। CM को सार्वजनिक तौर पर ये सफाई इसलिए देनी पड़ी, क्योंकि कर्नाटक की सियासत में पिछले कई दिनों से चर्चा है कि प्रदेश कांग्रेस दो खेमों में बंट गई है। इस बंटवारे का सेंटर पॉइंट कोई और नहीं बल्कि CM सिद्धारमैया और डिप्टी CM डीके शिवकुमार ही हैं। दोनों पार्टी लीडर्स के बीच CM पद को लेकर खींचतान चल रही है। विवाद की जड़ ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला बताया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये कहकर दोनों खेमों को शांत कर दिया है कि फैसला हाईकमान करेंगे। वहीं एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खड़गे अपने बेटे प्रियांक खड़गे को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में लाना चाहते हैं, इसलिए वो सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच बैलेंस बनाए रखना चाहते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या कर्नाटक की राजनीति में वाकई सब कुछ ठीक चल रहा है? पार्टी के बड़े लीडर अलग-अलग राह पर हैं? क्या ढाई साल का फॉर्मूला असल में लागू होगा या BJP इस कलह का फायदा उठा लेगी? इन सभी सवालों के जवाब तलाशने के लिए दैनिक भास्कर बेंगलुरु पहुंचा और जानने की कोशिश की कि आखिर इस विवाद के पीछे की कहानी क्या है?

सबसे पहले समझिए विवाद कैसे बड़ा हुआ... जो ढाई साल का फॉर्मूला कभी समाधान बना, वही अब चुनौती

मई 2023 में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 224 में से 135 सीटें जीतकर सत्ता में जोरदार वापसी की। ये जीत राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी के लिए काफी मनोबल बढ़ाने वाला पल था। दक्षिण भारत में BJP का एकमात्र मजबूत गढ़ भी कांग्रेस ने ढहा दिया। जीत के बाद सरकार की कमान दो सीनियर लीडर को सौंपी गई। सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बनाए गए। वे पहले भी 5 साल तक CM रह चुके हैं। पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों में उनकी मजबूत पकड़ है। डीके शिवकुमार डिप्टी CM बनाए गए। वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। संगठन में उनकी पकड़ और चुनाव प्रचार में भूमिका को जीत की बड़ी वजह माना गया। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा, लेकिन कुछ ही महीनों बाद सरकार में मतभेद उभरने लगे। अब ये खुलकर सामने आ गया है। माना जाता है कि 2023 में सरकार बनने के वक्त कांग्रेस आलाकमान, सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर सहमति बनी थी। पहले ढाई साल मुख्यमंत्री सिद्धारमैया रहेंगे। इसके बाद ये कुर्सी डीके शिवकुमार संभालेंगे। अब ये ढाई साल की समय सीमा नजदीक है। लिहाज दोनों नेताओं के समर्थक विधायक खुलकर सामने आ गए हैं। आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो चुके हैं। हालांकि, इस फॉर्मूले को लेकर कभी कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ। न ही पार्टी ने इसे पूरी तरह नकारा।

CM बदलने से गलत मैसेज जाएगा, कांग्रेस शायद ही बदले

सोर्स के मुताबिक, कांग्रेस ने जब कर्नाटक में सरकार बनाई, तब सिद्धारमैया ने उम्र का हवाला देकर पहले दो साल की मांग की थी। शिवकुमार ने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने राजस्थान और छत्तीसगढ़ का उदाहरण दिया, जहां ऐसे वादे पूरे नहीं हुए। शिवकुमार चाहते थे कि उन्हें पहला कार्यकाल मिले, चाहे वो दो साल का हो या तीन साल का। अब शिवकुमार का खेमा इस फॉर्मूले को पक्का वादा मान रहा है। उनका कहना है कि अब नेतृत्व परिवर्तन होना चाहिए। वहीं सिद्धारमैया के समर्थक इसे सिर्फ एक राजनीतिक जरूरत बताते हैं, जो अब बदल चुकी है। सीनियर जर्नलिस्ट हर्षवर्धन मानते हैं कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसले जटिल होते हैं। वे कहते हैं, 'राहुल गांधी की लीडरशिप में केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका अहम होती है। सचिन पायलट और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेताओं को ही देख लीजिए। इन्हें वादा तो मिला, लेकिन पद नहीं।' हर्षवर्धन का मानना है कि कांग्रेस शायद ही मुख्यमंत्री बदले। इससे पार्टी के अंदर और बाहर गलत मैसेज जाएगा। अब ये फॉर्मूला सिर्फ समझौता नहीं, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव बन गया है। वे कहते हैं, 'शिवकुमार के समर्थक इसे वादे की पूर्ति मानते हैं, न कि बगावत। इससे आलाकमान पर दबाव बढ़ गया है। एक पक्ष का समर्थन करने पर दूसरा नाराज हो सकता है।।'

CM बदला तो पार्टी में कलह और बढ़ेगी

सीनियर जर्नलिस्ट यासिर मुश्ताक का मानना है कि सरकार बनने के समय ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की बात सामने आई थी। हालांकि, कांग्रेस ने इसे कन्फर्म नहीं किया था। ढाई साल नवंबर में पूरे हो रहे हैं। उसी वक्त बिहार में विधानसभा चुनाव है। सोर्स के मुताबिक, ऐसे वक्त में कांग्रेस आलाकमान शायद ही इतना बड़ा फैसला ले। अगर मुख्यमंत्री बदला गया तो पार्टी में कलह और बढ़ सकती है। शिवकुमार का गुट दबाव बना रहा है, लेकिन सिद्धारमैया का गुट भी मजबूत है। इसलिए इस साल मुख्यमंत्री नहीं बदले जाएंगे। यासिर कहते हैं, 'पिछले एक साल से कई नेता सिद्धारमैया के खिलाफ बयान दे रहे हैं। ये बयानबाजी नवंबर में होने वाले कैबिनेट फेरबदल को लेकर है। नाराज विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने की कोशिश हो रही है। कई विधायक आखिरी चुनाव लड़ रहे हैं। वे मंत्री बनना चाहते हैं। इसलिए बयानबाजी कर मंत्रियों को निशाना बना रहे हैं।'

दरभंगा AIIMS को मिलेगी नई सौगात: 18.33 करोड़ की लागत से बनेगा 'एम्स स्टेशन'

बिहार। बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी खुशख़बरी आई है। दरअसल, दरभंगा में बन रहे ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (AIIMS) के पास अब 'एम्स स्टेशन' भी तैयार किया जाएगा। इस स्टेशन के लिए मौजूदा कर्पूरीग्राम रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से विकसित किया जाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने खुद इस बात की घोषणा की है। इस स्टेशन के विकास पर करीब 18.33 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि समस्तीपुर विश्वस्तरीय रेलवे मंडल बने इस दिशा में काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि लहेरियासराय-सहरसा 110 किलोमीटर और लहेरियासराय-मुजफ्फरपुर 67 किलोमीटर नई रेल बनाई जाएगी। जबकि दरभंगा में बन रहे एम्स के पास एम्स स्टेशन का निर्माण होगा। इसके अलावा उन्होंने जगह-जगह लाइट ओवर ब्रिज बनाने का निर्देश जारी किया है। ताकि बढ़ रही जनसंख्या के बीच लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं हो। रेल मंत्री सोमवार शाम समस्तीपुर रेलवे मंडल कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उक्त बात कही। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही समस्तीपुर रेलवे मंडल में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समस्तीपुर की सांसद ने समस्तीपुर दिल्ली के लिए फास्ट ट्रेन के साथ ही रोसड़ा स्टेशन अमृतभारत ट्रेन के ठहराव का मुद्दा उठाया जिस पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हसनपुर-सकरी रेल परियोजना में तेजी लाने को कहा गया है। साथ समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण को तेजी से पूरा करने को कहा गया है। इससे पूर्व उन्होंने समस्तीपुर नई कंट्रोल के साथ ही समस्तीपुर जंक्शन आदि निरीक्षण किया।

कर्पूरीग्राम में 18.33 करोड़ की लागत की विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया

इससे पहले कर्पूरीग्राम स्टेशन पर रेल मंत्री ने करीब 18.33 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास किया। साथ ही स्टेशन के विस्तारीकरण पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास करते हुए कहा कि पर कर्पूरीग्राम स्टेशन जननायक कर्पूरी ठाकुर की कर्मभूमि रही है, इसलिए इस स्टेशन को विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फुटओवर ब्रिज के अलावा अंडर पास का भी शिलान्यास किया गया है। मौके पर केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर ने उनका स्वागत किया। रेल मंत्री चरणकर्पूरी फुलेश्वरी महाविद्यालय परिसर स्थित बनाए गए कर्पूरी ठाकुर की पुरानी झोपड़ी के प्रतीक को भी देखने गये। इस दौरान उन्होंने उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इस मौक पर भारत सरकार के कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने उनका स्वागत किया। समारोह के दौरान स्थानीय सांसद शांभवी के अलावा पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी आदि बड़ी संख्या में भाजपा और जदयू से जुड़े कार्यकर्ता व नेता उपस्थित थे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,